जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 69 दिनांक: 20-02-2022 रविवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

उत्तर प्रदेश और पंजाब में 20 फरवरी को विधानसभा चुनावों के लिए वोट डाले जाएंगे। दोनों ही राज्यों में सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं। दोनों ही राज्यों में कई सियासी हस्तियों की परीक्षा होनी है। पढ़ें यह रिपोर्ट...

चन्नी ने भंगड़ा डाल विरोधियों को ललकारा, नवांशहर में कांग्रेस के बागी अंगद ने दिखाई ताकत

यूपी और पंजाब में मतदान आज, सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त, प्रमुख हाट सीटों पर नजरें

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश और पंजाब में 20 फरवरी को विधानसभा चुनावों के लिए वोट डाले जाएंगे। दोनों ही राज्यों में सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं। दोनों ही राज्यों में कई सियासी हस्तियों की परीक्षा होनी है। उत्तर प्रदेश में तृतीय चरण के लिए कुल 59 विधान सभा क्षेत्रों में 627 प्रत्याशी मैदान में हैं। इनमें से 97 महिला प्रत्याशी हैं। वहीं पंजाब में 117 विधानसभा सीटों के लिए कुल 1304 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। यूपी में 18वीं विधानसभा के गठन के लिए सात चरणों में चुनाव हो रहे हैं। यूपी में रविवार को तीसरा चरण की पोलिंग होगी। तीसरे चरण में 16 जिलों की 59 सीटों के लिए मतदान सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक चलेगा। पश्चिमी और मध्य यूपी के साथ बुंदेलखंड के 2.16 करोड़ मतदाता 627 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे।

यूपी में रविवार को होने वाले मतदान के लिए 25794 पोलिंग बूथ एवं 15557 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। हर जिले में 50 फीसद मतदान केंद्रों पर लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था रहेगी। इसकी निगरानी जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी और भारत निर्वाचन आयोग तीनों स्तर पर की जाएगी। मतदान केंद्रों पर कोविड प्रोटोकाल का पालन किया जाएगा। पोलिंग बूथों पर मतदाताओं के लिए वोटिंग कार्ड के अलावा 12 अन्य पहचान पत्र मान्य होंगे। यूपी में तीसरे चरण में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल, राज्य सरकार में मंत्री सतीश महाना, मंत्री राम नरेश अग्निहोत्री, नीलिमा कटियार, शिवपाल सिंह यादव की परीक्षा होगी। यही नहीं इस चरण में मुलायम सिंह यादव के समधी हरिओम यादव, सलमान खुर्शीद की पत्नी लुईस खुर्शीद, असीम अरुण की प्रतिष्ठा भी दांव पर है।

पंजाब में बहुकोणीय मुकाबले के आसार हैं। आप एवं संयुक्त समाज मोर्चा सभी 117 सीटों पर जबकि शिरोमणि अकाली दल (बादल) 97 और उसकी सहयोगी बसपा 20 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। भाजपा 68 सीटों पर लड़ रही है जबकि उसकी सहयोगी पंजाब लोक कांग्रेस 34 और शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) 15 सीटों पर मैदान में है। राज्य में मतदान खत्म होने तक शराब के ठेके बंद रखे गए हैं। पंजाब में पांच बार मुख्यमंत्री रहे प्रकाश सिंह बादल, मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, भगवंत मान, अकाली दल के प्रधान सुखबीर बादल, कैप्टन अमरिंदर सिंह, नवजोत सिंह सिद्धू और अकाली दल के बिक्रम सिंह मजीठिया जैसे दिग्गज मैदान में हैं। इस बार विधानसभा चुनावों में किसान आंदोलन के नेता बलबीर सिंह राजेवाल, मनप्रीत बादल, प्रताप सिंह बाजवा जैसे दिग्गज भी किस्मत आजमा रहे हैं।

पूर्वी यूक्रेन में बढ़ा तनाव, विद्रोहियों की सैन्य लामबंदी तेज, गोलीबारी में दो सैनिकों की मौत, रूस ने लगाए हमले के आरोप

कीव । यूक्रेन और रूस के बीच तनाव कम होता नजर नहीं आ रहा है। समाचार एजेंसी रायटर के मुताबिक यूक्रेन की सेना ने कहा है कि पूर्वी क्षेत्र में रूस समर्थित अलगाववादियों की गोलीबारी में दो सैनिकों की मौत हुई है जबकि चार अन्य जख्मी हो गए हैं। यूक्रेन की सेना ने अपने फेसबुक पेज पर कहा है कि उसने रूस समर्थित अलगाववादियों की ओर से एक दिन के भीतर सीज फायर तोड़े जाने की 70 घटनाएं रिकार्ड की हैं। अलगाववादी भारी तोपखानों से गोलीबारी कर रहे हैं।

इस बीच रूस ने अपने रणनीतिक परमाणु मिसाइल बल का अभ्यास शुरू किया है। उसने परमाणु हमला करने वाली बैलेस्टिक, हाइपरसोनिक, और क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया। पनडुब्बी और टीयू-95 बमवर्षक विमानों ने भी इन परीक्षणों में हिस्सा लिया। यहां तक की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको के साथ रक्षा मंत्रालय के सिचुएशन रूम में बैठकर इन परीक्षणों को देखा।

वहीं दूसरी ओर यूक्रेन के रूस समर्थित पूर्वी क्षेत्रों के अलगाववादी नेताओं ने सैन्य लामबंदी का आदेश दिया है। समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक लड़ाकों को को स्टैंड-बाय पर रखा जा रहा है। युद्ध की गहराती आशंकाओं के बीच जर्मनी और आस्ट्रिया ने अपने नागरिकों को यूक्रेन छोड़ने के लिए कहा है। वहीं लिथुआनिया ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि यदि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यहीं नहीं रोका गया तो उनकी महत्वाकांक्षा बढ़ती जाएगी।

रूस ने यूक्रेन की सेना पर हमले का आरोप लगाया है। रूस ने शनिवार को कहा कि पूर्वी यूक्रेन के सरकार के कब्जे वाले हिस्से से दो गोले दागे गए जो सीमा पार गिरे। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने रूस के इस दावे को खारिज कर दिया है। वहीं समाचार एजेंसी आइएएनएस की रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिमी देशों ने आरोप लगाया है कि रूस अलग-अलग क्षेत्रों में संकट पैदा कर रहा है ताकि उसे हमला करने का बहाना मिल सके।

इस बीच अमेरिकी उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस इस मसले पर पहली बार मुखर हुई हैं। उन्होंने रूस को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि उसने यूक्रेन पर हमला किया तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। वहीं अमेरिका के रक्षा मंत्री लायड आस्टिन ने बाल्टिक देशों को भरोसा देते हुए कहा है कि यदि रूस से सुरक्षा खतरा पैदा होता है तो उनको अकेले नहीं पड़ने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि रूस पीछे नहीं हट रहा उसके सैनिक हमला करने के लिए तैयार हैं।

चार माह में नौ बड़े शहरों में ईवी चार्जिंग स्टेशनों की संख्या ढाई गुना तक बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के नौ बड़े शहरों में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बीते चार माह में ही ढाई गुना तक बढ़ चुकी है। ऊर्जा मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता सहित नौ प्रमुख शहरों में ईवी चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बीते चार महीनों में तेजी से बढ़ी है। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की सरकारी नीति के तहत बड़े शहरों में ईवी चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ाने की कोशिश जारी है। बयान के मुताबिक, अक्टूबर 2021 से लेकर जनवरी 2022 के बीच इन नौ शहरों में 678 अतिरिक्त चार्जिंग स्टेशन स्थापित हुए हैं। इस तरह इन शहरों में मौजूद सार्वजनिक ईवी स्टेशनों की संख्या बढ़कर 940 हो गई है। देश भर में अब इनकी संख्या करीब 1,640 हो चुकी है।

मोदी सरकार ने शुरुआती दौर में 40 लाख से अधिक आबादी वाले बड़े शहरों में इलेक्ट्रिक वाहनों पर प्रोत्साहन देने की नीति अपनाई हुई है।इस क्रम में बड़े शहरों में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए ढांचागत आधार तैयार करने के लिए चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ाई जा रही है। ऊर्जा मंत्रालय ने गत 14 जनवरी को ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना से जुड़े दिशानिर्देश एवं संशोधित मानक जारी किए थे। इससे ईवी ढांचा खड़ा करने से जुड़ी स्थिति स्पष्ट होने की संभावना है। सरकार ने ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के प्रयास में बीईई, ईईएसएस, पीजीसीआईएल और एनटीपीसी जैसी सार्वजनिक इकाइयों के अलावा निजी कंपनियों को भी अपने साथ जोड़ा है। इससे अधिक बड़े इलाके में ईवी ढांचागत आधार तैयार करने में मदद मिलेगी और वाहन उपभोक्ता इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित होगा।

कुमार विश्वास को 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान करने का फैसला किया गया

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने कवि कुमार विश्वास को 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान करने का फैसला किया है। कुमार विश्वास ने 'आप' के संयोजक तथा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल खिलाफ संगीन आरोप लगाए थे। इसके मद्देनजर खुफिया जानकारियों के आधार पर केंद्र ने कुमार विश्वास की सुरक्षा और उन्हें होने वाले संभावित खतरों की समीक्षा की। सूत्रों ने कहा कि कुमार विश्वास को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

कुमार विश्वास को उपलब्ध कराई जा रही 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा के तहत चार निजी सुरक्षा अधिकारी हर समय उनकी सुरक्षा में तैनात रहेंगे। कुमार विश्वास ने पंजाब विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान अरविंद केजरीवाल पर अलगाववादियों का समर्थन करने का आरोप लगाया था। हालांकि केजरीवाल ने इन आरोपों को खारिज किया है। पंजाब में रविवार को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होना है।

हालांकि केजरीवाल ने इन आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा था कि शायद वो दुनिया के सबसे स्वीट आतंकवादी होंगे, जो स्कूल और अस्पताल बनवाता है। उन्होंने कहा था कि पंजाब चुनाव में आम आदमी पार्टी की जीत तय देख बीजेपी, कांग्रेस औ- अन्य दल उनके खिलाफ एकजुट हो गए हैं।

पंजाब चुनाव में आम आदमी पार्टी औ- कांग्रेस अपने दम पर चुनाव लड़ रही है। जबकि अकाली दल बीएसपी के साथ गठबंधन कर मैदान में हैं। बीजेपी ने पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की पार्टी के साथ गठबंधन कर रखा है।

एनआईए का खुलासा- भारत को दहलाने का षड़यंत्र रच रहा था दाऊद इब्राहिम

नई दिल्ली (ईएमएस)। माफिया सरगना दाउद इब्राहिम ने भारत की भूमि को रक्त रंजित करने के लिए एक स्पेशल ग्रुप का गठन किया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इसका खुलासा किया है। बताया कि अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम ने भारत को निशाना बनाने के लिए एक स्पेशल ग्रुप का गठन किया है। उनकी हिट लिस्ट में नेताओं और प्रसिद्ध व्यापारियों के नाम शामिल हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एनआईए ने एफआईआर दर्ज की है। जिसमें खुलासा किया गया है कि दाऊद इब्राहिम अपने स्पेशल ग्रुप के साथ देश के विभिन्न हिस्सों में हिंसा भड़काने के उद्देश्य से विस्फोटक और घातक हथियारों का इस्तेमाल करने की योजना बना रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक, दाऊद इब्राहिम के स्पेशल ग्रुप के निशाने पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और मुंबई जैसे कई बड़े शहर हैं।

आपको बता दें कि एनआईए ने हाल ही में दाऊद इब्राहिम के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। उसी आधार पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों के खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया था। जिसके तहत दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कासकर, उसके सहयोगियों से पूछताछ करेगी। ईडी ने धनशोधन के मामले में इकबाल कासकर की हिरासत की मांग की थी। जिसको लेकर विशेष अदालत ने भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कासकर को 24 फरवरी तक ईडी की हिरासत में भेज दिया। दरअसल, अदालत द्वारा जारी एक पेशी वारंट के आधार पर ईडी ने इकबाल कासकर को हिरासत में ले लिया, जो वर्तमान में जबरन वसूली के कई मामलों में ठाणे जेल में कैद है।

यूपी राजनाथ को चुनावी भाषण शुरू करने से पहले रोजगार के नारे लगाने वाले युवाओं का सामना करना पड़ा

गोंडा (ईएमएस)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को उत्तर प्रदेश में चुनावी भाषण शुरू करने से पहले रोजगार की तलाश में खड़े नारे लगाने वाले युवाओं का सामना करना पड़ा।युवाओं ने ठसेना में भर्ती चालू करोठ, ठहमारी मांगें पूरी करोठ के नारे लगाओ। फिर राजनाथ सिंह ने ठहोगी, होगी... चिंता मत करोठ कहकर विरोध कर रहे युवाओं को शांत करने की कोशिश की। राज्य के गोंडा जिले में रैली के दौरान यह हालात बने। राजनाथ ने युवाओं से कहा, ''आपकी चिंता हमारी भी है। कोरोना वायरस के चलते थोड़ी मुश्किलें आईं।''

राजनाथ सिंह ने जैसे-तैसे हालात को संभाला और युवकों को समझाने की कोशिश की। बाद में राजनाथ सिंह के आग्रह करने पर भीड़ में से ठभारत माता की जयठ का नारा गूंजा और भीड़ में खड़े सभी लोग मुस्कराने लगे।

पंजाब चुनाव के लिए मतदान से पहले डेरा सच्चा सौदा ने खोले पत्ते,

बठिंडा। पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर डेरा सच्चा सौदा ने अपने पत्ते खोल दिए हैं। पिछले कई दिनों से डेरे ने राजनीतिक दलों के नेताओं की सांसें थाम रखी थी। हालांकि डेरा अपने निर्णय को लेकर अभी भी खुलकर नहीं बता रहा। इसे गुप्त रखा जा रहा है। डेरा प्रेमियों को जुबानी संदेश पहुंचाया जा रहा है। डेरा सूत्रों के मुताबिक इस बार डेरा सच्चा सौदा किसी भी एक पार्टी को स्पष्ट समर्थन नहीं देगा, बल्कि विधानसभा क्षेत्रवार प्रत्याशियों के समर्थन का फैसला किया गया है।

डेरे के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार डेरे ने इस बार अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग दलों को समर्थन देने का फैसला किया है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि यह समर्थन किस विधानसभा हलके में किसको दिया गया है। डेरे के पदाधिकारी यह बताने को तैयार नहीं कि किस आधार पर कहां किस उम्मीदवार या पार्टी को डेरे ने सपोर्ट किया है। पंजाब में डेरा चुनावों में अहम रोल अदा करता है। इन दिनों डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम फरलो पर बाहर आया हुआ था। राज्य में कई ऐसी सीटें हैं जहां डेरा समर्थक निर्णायक की भूमिका में होते हैं। खासकर मालवा में तो डेरे का बड़ा वोट बैंक है। इसके अलावा डेरा हरियाणा व दिल्ली के चुनावों में भी अहम भूमिका निभाता है। इस बार डेरे ने एक दल को समर्थन न देकर सभी को राहत दी है।

पंजाब में बड़ी संख्या में डेरे हैं। यहां डेरों की भूमिका अहम होती है। हर दल डेरों में नजर गड़ाए रहते हैं। डेरा सच्चा सौदा का मालवा क्षेत्र में प्रभाव है। इसी प्रकार राधा स्वामी डेरा ब्यास माझा की एक दर्जन सीटों पर ज्यादा प्रभाव डालता है।

मदुरै निकाय चुनाव में भाजपा बूथ एजेंट ने मुस्लिम महिलाओं से हिजाब हटाने को कहा, मचा बवाल

मदुरै (ईएमएस)। कर्नाटक के शैक्षणिक संस्थान से पैदा हुए हिजाब विवाद का असर अब तमिलनाडु के शहरी स्थानीय निकाय चुनाव में भी दिखने लगा है। आज पूरे तमिलनाडु में निकाय चुनाव हो रहे हैं। इस दौरान मदुरै में एक भाजपा बूथ एजेंट ने मतदान करने आईं मुस्लिम महिलाओं से हिजाब हटाने की मांग कर दी। इसके बाद बूथ पर हंगामा हो गया और विरोधी पार्टियों ने एजेंट को बूथ से हटाने की मांग शुरू कर दी। काफी देर तक चले हंगामे के बाद एजेंट को बूथ से हटा दिया गया और किसी तरह मतदान शुरू हुआ। मामला मदुरै के मेलूर में स्थित अल-अमीन स्कूल मतदान केंद्र का है। यहां स्थानीय निकाय चुनाव के तहत वार्ड 8 में मतदान चल रहा था। इस दौरान भाजपा के बूथ एजेंट गिरिराजन ने मुस्लिम महिलाओं से हिजाब हटाने की मांग की। जिसके बाद मतदान केंद्र पर हंगामा हो गया और काफी देर तक मतदान बाधित रहा। गिरिराजन का कहना है कि उनके हिजाब पहनने से मतदान में देरी हो रही थी।

वहीं, डीएमके और एआईएडीएमके सहित कई पार्टी के एजेंटों और अधिकारियों ने गिरिराजन को मतदान केंद्र से हटाने की मांग की। इसके बाद अल-अमीन स्कूल में मतदान केंद्र पर कुछ देर के लिए तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। गिरिराजन ने इस दौरान कहा कि हिजाब से महिलाओं के चेहरे की पहचान नहीं की जा सकती।हालांकि बाद में गिरिराजन को बूथ से हटा दिया गया और बाद में मतदान शुरू हो गया। पुलिस ने इलाके की सुरक्षा बढ़ा दी है।

आज हो रहे चुनाव में वोट डालने पहुंचे तमिल सुपरस्टार विजय मक्कल अयक्कम से धक्का-मुक्की की खबर भी सामने आई है। वे नीलांकरई स्थित पोलिंग बूथ पर वोट डालने गए थे। इस दौरान वहां प्रशंसकों ने उन्हें घेर लिया और धक्का-मुक्की हो गई। बता दें कि राज्य में 10 साल बाद शहरी स्थानीय निकाय चुनाव हो रहे हैं। इसमें डीएमके और एआईएडीएमके के बीच सीधी लड़ाई है। वहीं चुनाव के दौरान वोट के बदले कैश और गिफ्ट देने के आरोप लगे है। बता दें निकाय चुनाव में इस बार अभिनेता विजय मक्कल ने भी कुछ प्रत्याशी खड़े किए हैं। लिहाजा विजय अपने कैंडिडेट के लिए प्रचार कर रहे थे, जिसने वोटर्स का ध्यान अपनी ओर खींचा।

इंदौर मॉडल शहरों को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त करने अन्य शहरों के लिए बनेगा प्रेरणा - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इंदौर में गोबर-धन बायो सीएनजी प्लांट का किया लोकार्पण

भोपाल(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि शहरों को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त करने का इंदौर मॉडल अन्य शहरों के लिए प्रेरणा बनेगा। इंदौर के देवगुराड़िया क्षेत्र में कभी कूड़े के पहाड़ थे, अब वहाँ 100 एकड़ की डंप साइट ग्रीन जोन में परिवर्तित हो गई है। इंदौर में गोबर-धन बायो सीएनजी प्लांट बनने से वेस्ट-टू-वेल्थ तथा सर्कुलर इकोनामी की परिकल्पना साकार हुई है। इससे भारत के स्वच्छता अभियान भाग-2 को नई ताकत मिलेगी, जिसके अंतर्गत आने वाले 2 वर्षों में देश के सभी शहरों को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त कर ग्रीन जोन बना दिया जाएगा। इंदौर शहर ने वाटर प्लस की भी उपलब्धि हासिल की है, अब यह शहर देश के अन्य शहरों को इस क्षेत्र में भी प्रेरणा देगा। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उनकी टीम ने बड़ा काम कर दिखाया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी आज दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से इंदौर में गोबर-धन बायो सीएनजी प्लांट का लोकार्पण कर रहे थे। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, केंद्रीय, सामाजिक न्याय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार, आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री कौशल किशोर, राज्य शासन के मंत्री, सांसद, विधायक सहित जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि इंदौर की बहनों ने कूड़ा प्रबंधन का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कूड़े को 6 हिस्सों में अलग-अलग बाँट कर उसका निस्तारण किया है। यह री-साइकिलिंग संस्कार, देश की बड़ी सेवा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इंदौर के सफाईकर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कोरोना के मुश्किल समय में उनकी सेवा सराहनीय है। मैं दिल्ली से इंदौर के सफाईकर्मियों को प्रणाम एवं नमन करता हूँ।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि इंदौर की जनता ने देवी अहिल्या की प्रेरणा को खोने नहीं दिया है। आज भी देवी अहिल्या के बताए मार्ग पर चलकर इंदौर प्रगति कर रहा है। वाराणसी के विश्वनाथ मंदिर में देवी अहिल्या की भव्य प्रतिमा हमें उनके अमूल्य योगदान की याद दिलाती है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि इंदौर के विकास में पूर्व सांसद श्रीमती सुमित्रा महाजन ठताईठ का योगदान सराहनीय है। उन्होंने इंदौर को नई ऊँचाई दी है। वर्तमान सांसद शंकर लालवानी भी उन्हीं के मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि आने वाले 2 वर्षों में देश के 75 बड़े नगरीय निकायों में इस प्रकार के गोबर-धन बायो सीएनजी प्लांट बनाने पर काम किया जा रहा है। यह अभियान भारत के शहरों को स्वच्छ बनाने, प्रदूषण रहित बनाने, क्लीन एनर्जी की दिशा में बहुत मदद करेगा। अब तो शहरों में ही नहीं बल्कि देश के गाँव में भी हजारों की संख्या में गोबर-धन बायोगैस प्लांट लगाए जा रहे हैं। इनसे हमारे पशुपालकों को गोबर से भी अतिरिक्त आय मिलनी शुरू हुई है। हमारे गाँव देहात में किसानों को बेसहारा जानवरों से जो दिक्कत होती है, वह भी इस तरह के गोबर-धन प्लांट होने से कम हो जाएगी।

रूस ने यूक्रेन संकट पर भारत द्वारा रखे गए पक्ष को सराहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूक्रेन-रूस के बीच टकराव के हालात के बीच दुनियाभर के देश चिंतित हैं। इस तनाव के बीच रूस ने यूक्रेन संकट पर भारत द्वारा रखे गए पक्ष की तारीफ की गई। रूस ने कहा कि हम भारत के संतुलित, सैद्धांतिक और स्वतंत्र रुख का स्वागत करते हैं। यूक्रेन संकट पर गुरुवार को भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा था कि शांत एवं रचनात्मक कूटनीति' वक्त की दरकार है और तनाव बढ़ाने वाला कोई भी कदम उठाने से बचना चाहिए। शुक्रवार को नई दिल्ली में रूसी दूतावास ने भारत के संतुलित पक्ष की सराहना की। रूस ने कहा कि हम भारत के संतुलित, सैद्धांतिक और स्वतंत्र रुख का स्वागत करते हैं। यूक्रेन संकट पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में संयुक्त राष्ट्र के में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने तत्काल तनाव घटाने की अपील की थी।

रूसी दूतावास ने ट्वीट कर कहा, ठहम भारत के संतुलित, सैद्धांतिक और स्वतंत्र दृष्टिकोण का स्वागत करते हैंठ यूक्रेन-रूस तनाव के बीच यूक्रेन में फंसे भारतीयों की स्वदेश वापसी को देखते हुए एयर इंडिया अगले हफ्ते यूक्रेन के बीच तीन उड़ानों का संचालन करेगा। एयर इंडिया ने ट्वीट कर जानकारी दी कि वह भारत और यूक्रेन के बॉरिस्पिल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बीच 22, 24 और 26 फरवरी को तीन उड़ानें संचालित करेगा। कंपनी ने आगे लिखा, 'एअर इंडिया के बुकिंग कार्यालयों, वेबसाइट, कॉल सेंटर और अधिकृत ट्रैवल एजेंटों के माध्यम से बुकिंग शुरू कर दी गई है।'

ठाणे के बाद अब पालघर के पोल्ट्री फार्म में भी मिला बर्ड फ्लू का मामला, प्रशासन की बढ़ी चिंता

मुंबई, (ईएमएस)। मुंबई से सटे ठाणे जिले के शाहपुर में एवियन इंफ्लुएंजा (बर्ड फ्लू) का मामला आने के कुछ दिनों के बाद अब पड़ोसी जिले पालघर के वसई- विरार इलाके के मुर्गी पालन केंद्र की मुर्गियों में भी इस संक्रमण की पुष्टि हुई है. इस बात की जानकारी एक अधिकारी ने दी. पालघर पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ.प्रशांत कांबले ने कहा कि मुर्गी पालन केंद्र (पोल्ट्री फार्म) की कुछ मुर्गियां मृत मिली थीं जिसके बाद उनके नमूनों को जांच के लिए भेजा गया था. उन्होंने कहा, ''जांच के नतीजे शुक्रवार रात को आए जिसमें मुर्गियों के एच5एन1 वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई.'' हालांकि कांबले ने दावा किया कि स्थिति गंभीर नहीं है. उन्होंने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि पोल्ट्री फार्म की कितनी मुर्गियां मरी हैं. गौरतलब हो कि हाल में शाहपुर तहसील के वेहलोली गांव में एक पोल्ट्री फार्म में लगभग 100 पक्षियों की मौत के बाद बर्ड फ्लू के मामले सामने आए हैं. ठाणे जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), डॉ भाऊसाहेब डांगडे ने पूर्व में कहा था कि मृत पक्षियों से एकत्र किए गए नमूनों को परीक्षण के लिए पुणे स्थित एक प्रयोगशाला में भेजा गया और परिणाम से पुष्टि हुई कि पक्षियों की मृत्यु एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा के कारण हुई थी. उन्होंने कहा था कि इसके बाद प्रभावित फार्म के एक किलोमीटर क्षेत्र में पोल्ट्री फार्मों में पाले जा रहे लगभग 25,000 पक्षियों को अगले कुछ दिनों में मार दिया जाएगा.

कार्टून कोना

नारायण राणे ने कहा 'मातोश्री' ने बदला लेने के लिए की है मेरे बंगले पर कार्रवाई

मुंबई (ईएमएस)। शिवसेना शासित बृहन्मुंबई महानगर पालिका ने राणे के बंगले के निरीक्षण के लिए उन्हें नोटिस जारी किया था। इस पर केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने शनिवार को कहा कि उन्होंने यहां अपने बंगले के निर्माण के लिए जरूरी सभी प्रकार की अनुमति ली थी और इसमें कोई अनियमितता नहीं बरती गई। भारतीय जनता पार्टी के नेता ने यह भी कहा कि शिवसेना और 'मातोश्री' की ओर से उन्हें ''डराया'' जा रहा है। बीएमसी ने निरीक्षण और परिसर के मापन के लिए जुहू स्थित राणे के बंगले को गुरुवार को नोटिस जारी किया था।

राणे का 'आदिश' नामक बंगला निकाय के के-पश्चिम वार्ड में स्थित है और मुंबई के पश्चिमी उपनगर में है। नोटिस में कहा गया था कि नगर निकाय का एक दल ''परिसर का निरीक्षण करेगा और मापन तथा तस्वीरें लेगा।'' नोटिस में कहा गया कि बंगले के ''मालिक'' (नाम का उल्लेख नहीं किया गया) को इस कार्रवाई के दौरान उपस्थित रहना पड़ेगा और निर्माण के लिए मंजूर किये गए प्लान या भवन के वास्तविक दस्तावेज पेश करने होंगे। यह नोटिस ऐसे समय आया है जब सत्तारूढ़ शिवसेना और विपक्षी दल भाजपा के बीच राज्य में जुबानी जंग चल रही है।

राणे ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने लगभग 12 साल पहले बंगले के निर्माण के लिए जरूरी सभी प्रकार की अनुमति ली थी। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ जब उनके घर को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले भी जांच की गई थी लेकिन अधिकारियों को कोई अनियमितता नहीं मिली थी।

उन्होंने कहा, ''मैं, मेरी पत्नी, मेरे दो बेटे और उनकी पत्नियां और बच्चे यहां रहते हैं। कुल आठ लोग रहते हैं। इसलिए हमें यहां कभी कुछ और बनवाने की जरूरत महसूस नहीं हुई।'' राणे ने किसी का नाम लिए बिना कहा, ''यह पूरी कार्रवाई (नोटिस) शिवसेना और 'मातोश्री' द्वारा बदला लेने के लिए की जा रही है। मुझे डराया जा रहा है।''

शोपियां में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी ढेर किया, सेना के दो जवान शहीद

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों की मुस्तैदी के चलते आतंकवादियों के हौंसले पस्त है। यहां संवेदनशील शोपियां जिले में शनिवार को मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया और सेना के दो जवान शहीद हो गए। अधिकारियों ने यहां बताया कि शोपियां में जैनापुरा इलाके के चेरमार्ग में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी की और वहां तलाश अभियान चलाया।उन्होंने बताया कि जब सुरक्षा बल इलाके में तलाश अभियान चला रहे थे तभी वहां छिपे आतंकवादियों ने उन पर गोलियां चला दीं। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद मुठभेड़ में सेना के दो जवानों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी को भी मार गिराया। मृतक आतंकवादी की पहचान अभी नहीं हुई है।

कर्नाटक के शिवमोगा जिले में हिजाब हटाने से मना करने पर 58 छात्राओं को निलंबित किया गया

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक के शिवमोगा जिले के शिरलाकोप्पा में प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज में हिजाब हटाने से मना करने पर 58 छात्राओं को निलंबित कर दिया गया। दूसरी तरफ दिल्ली में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने अल्पसंख्यक समुदाय से रूढ़िवादी सोच से ऊपर उठने और प्रगतिशील विचारों को अपनाने की अपील करते हुए कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने से ज्यादा प्रगति के लिए शिक्षा अधिक महत्वपूर्ण है।

निलंबित की गई छात्राओं को कॉलेज नहीं आने को कहा गया है। शनिवार को भी छात्राएं कॉलेज आईं, हिजाब पहनने के समर्थन में नारे लगाए, लेकिन उन्हें प्रवेश नहीं दिया गया। छात्राओं ने कहा, ''हम यहां पहुंचे लेकिन प्राचार्य ने हमसे कहा कि हमें निलंबित कर दिया गया है और हमें कॉलेज आने की जरूरत नहीं है। पुलिस ने भी हमसे कॉलेज नहीं आने को कहा था, फिर भी हम आए। आज किसी ने हमसे बात नहीं की।''

दावणगेरे जिले के हरिहर में स्थित एसजेवीपी कॉलेज में लड़कियों को हिजाब पहनकर प्रवेश नहीं करने दिया गया। इस पर छात्राओं ने कहा कि वह हिजाब उतारकर भीतर नहीं जाएंगी, यह उनके लिए शिक्षा के जितना ही महत्वपूर्ण है और वह अपने अधिकार को नहीं छोड़ सकतीं।

बेलगावी जिले में हिजाब मुद्दे के कारण संस्थान ने अनिश्चितकाल के लिए अवकाश की घोषणा कर दी है। एक छात्रा ने कहा, ''हम हिजाब के बिना नहीं बैठेंगे। कॉलेज को यह समझ में आना चाहिए कि इससे हमारी शिक्षा पर क्या प्रभाव पड़ता है। प्राचार्य हमारी बात नहीं सुन रहीं।''

बल्लारी के सरला देवी कॉलेज और कोप्पल जिले के गंगावती में सरकारी कॉलेज में भी इसी प्रकार की स्थिति देखने को मिली। रामनगर जिले के कुदुर गांव में कुछ छात्राओं को जब कक्षा

जन हितैषी

युवा पीढ़ी में बदलाव

पिछले दो दशक से युवा पीढ़ी में बदलाव को लेकर भारत में लगातार संवाद हो रहा है। कई लोग इस पीढ़ी को पुरानी पीढ़ी से समझदार बताते, तो कई उच्छृंखल कहते हैं। देश के तमाम राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दल इन

पर दांव खेलते हैं, तो सभी राष्ट्रीय-बहुराष्ट्रीय व्यावसायिक, औद्योगिक, व्यापारिक घराने इसी पीढ़ी को केंद्र में रख कर अपना भविष्य चमकाने की योजनाएं बना रहे हैं। बैंगन का भर्ता, चोखा, चूरमा, मोमोज बनाने वाले, ठेले वाले से लेकर आलू की चिप्स बनाने वाली कंपनियों तक, गूगल, धर्म-अध्यात्म का व्यवसाय करने वालों तक का ध्येय युवाओं को लुभाना है। एक अध्ययन के मुताबिक, पिछले तीन-चार वर्षों में भारत के युवाओं में सहभाजन अर्थशास्त्र (शेयरिंग इकॉनोमी) का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। युवक ठब्ला-ब्लाठ जैसे स्त्रोतों से गाड़ियां शेयर कर रहे हैं। यह अलग बात है कि अधिकांश लड़के-लड़कियां कार यात्रा शेयर करना पसंद करते हैं। ठब्ला-ब्लाठ से एक व्यक्ति ने अपनी भतीजी के जरिए शेयरिंग गाड़ी बुक की, जब कार के मालिक को पता चला कि बुक करने वाली लड़की नहीं, उसके चाचा उसमें जा रहे हैं, तो वे सज्जन अपनी गाड़ी लेकर अकेले जयपुर चले गए। वैसे यह पीढ़ी, जो रिश्तों को लेकर आवश्यकता से अधिक खुली है, इस मामले में भविष्य को भी खतरे में डाल रही है। बाजार का एक ही देवता है, वह है लाभ और केवल लाभ। आज व्यापारी किसी भी तरीके से धन कमाना चाहता है। इसलिए बाजार के खिलाड़ी समाज की परंपराएं और परिभाषाएं भी बदल रहे हैं। यही कारण है कि पहले फर्जी सर्वेक्षण होते हैं। फिर खरीदे हुए अर्थशास्त्रियों से अपने मनमाफिक परिभाषाओं पर बयान दिलवाए जाते हैं। फिर कई शिक्षकों, कॉलेजों को कमीशन देकर ऐसी किताबें पढ़वाई जाती हैं, जिनमें युवाओं को यह तक बताया जाता है कि बचत बुरी चीज है। 50 वर्ष से आदिम दुनिया तक के लोग बचत करते रहे हैं। चाणक्य ने आपात स्थिति के लिए बचत को गृहस्थी का मूल मंत्र

बताया है। इन 50 सालों में ठबचतठ कैसे अप्रासंगिक हो गई। दूसरे, बचत के सिद्धांत से बाजार में कभी मंदी नहीं आती। व्यक्ति धन को बैंक में जमा करता है। जब पूंजी इकट्ठी हो जाती है, तो वह गहने, बच्चों की उच्च

शिक्षा, मकान, विवाह पर खर्च करता है। कुछ खास अवसरों पर ज्यादा धन खर्च करता है। अंततः वह धन बाजार में ही पहुंचता है। बचत का धन बैंकों में जमा रहता है। बैंक में धन बेकार नहीं रहता है। बैंक उस धन को प्रतिदिन के हिसाब से स्वरोजगारियों, व्यापारियों और उद्यमियों को कर्ज देने में उपयोग करते हैं। इससे व्यवसाय बढ़ता है। बचत का धन बाजार में कभी भी मंदी के लिए उत्तरदायी नहीं रहता। धन बैंक के माध्यम से बाजार में मौद्रिक

तरलता जारी रखता है। बाजार, कई अर्थशास्त्रियों, शिक्षाविदों और कॉलेजों का गठजोड़ युवाओं में विलासिता का भाव जगा कर सब कुछ खर्च डालने को बाजार में उतारने के लिए बहुत ही महीन स्तर पर कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2017 में हुए एक अध्ययन में कहा गया था कि भारत की वर्तमान पीढ़ी अपने पिताओं से अधिक सुखी व प्रसन्न रहेगी। आश्चर्य! शराब, सिगरेट, पिज्जा, बर्गर खाने वाली, पानी की भांति शीतल पेय डकार जाने वाली, दिन-रात स्मार्ट फोन पर उलझी रहने वाली, छोटी-छोटी बातों के लिए देश को कोसने, विदेश जाने की धमकी देने वाली पीढ़ी, जिसके सामने माता-पिता ने बागी होने के डर से समर्पण कर दिया है, कैसे खुश रहेगी?

सोश्यल मीडिया का विष-वमन

सोश्यल मीडिया आज की जिंदगी में इतना महत्वपूर्ण बन गया है कि कई लोग 5 से 8 घंटे रोज़ तक अपना फोन या कंप्यूटर थामे रहते हैं। यदि हम मालूम करें कि वे क्या पढ़ते और देखते रहते हैं तो हमें आश्चर्य और दुख, दोनों होंगे। ऐसा नहीं है कि सभी लोग यही करते हैं। सोश्यल मीडिया की अपनी उपयोगिता है। गूगल तो आजकल विश्व महागुरु बन गया है। दुनिया की कौनसी जानकारी नहीं है, जो पलक झपकते ही उस पर नहीं मिल सकती। गूगल ने दुनिया से शब्द-कोशों, ज्ञान ग्रंथों और साक्षात गुरुओं का स्थान ग्रहण कर लिया है। उसके माध्यम से करोड़ों लोगों तक आप चुटकी बजाते ही पुंच सकते हैं लेकिन इसी सोश्यल मीडिया ने भयंकर एंटी-सोश्यल भूमिका निभानी भी शुरु कर दिया है। इसके जरिए न केवल झुठी अफवाहें फैलाई जाती हैं बल्कि अपमानजनक, अश्लील, उत्तेजक और घृणित सामग्री भी फैलाई जाती है। इसके कारण दंगे फैलते हैं, भयंकर जन-आंदोलन उठ खड़े होते हैं और राष्ट्रों के बीच जहर भी फैल जाता है। सोश्यल मीडिया के जरिए सबसे विनाशकारी काम बच्चों के विरुद्ध होता है। छोटे-छोटे बच्चे भी अपने मोबाइल फोन के जरिए दिन भर अश्लील चित्रों और दृश्यों को देखते रहते हैं। वे गंभीर अपराध करने के गुर भी इसी से सीखते हैं। वे कई किशोर इंटरनेट के आदेशों का पालन इस हद तक करते हैं कि वे आत्महत्या तक कर लेते हैं। पिछले साल भर में ऐसी कई खबरें भारत के अखबारों और टीवी चैनलों पर देखने में आई हैं। बच्चों को संस्कारविहीन बनाने में सोश्यल मीडिया का विशेष योगदान है। वे अपनी पढ़ाई-लिखाई में समय लगाने के बजाय अश्लील चित्र-कथाओं में अपना समय बर्बाद करते हैं। बैठे-बैठे लगातार कई घंटों तक कंप्यूटर और मोबाइल देखते रहने से उनकी शारीरिक गतिविधियां भी घट जाती है। उसका दुष्परिणाम उनके स्वास्थ्य पर भी प्रकट होता है। वे निष्क्रियता और अकर्मण्यता के भी शिकार बन जाते हैं। भारत में अभी यह जहरीली बीमारी बच्चों में थोड़ी सीमित है लेकिन अमेरिका और यूरोप के बच्चे बड़े पैमान पर इसके शिकार हो रहे हैं। इसने वहां महामारी का रुप धारण कर लिया है। अमेरिकी सांसद इससे इतने अधिक चिंतित हैं कि उन्होंने अब इस सोश्यल मीडिया पर नियंत्रण के लिए कठोर कानून बनाने का संकल्प कर लिया है। वे शीघ्र ही ऐसा कानून बनाना चाहते है कि जिससे पता चल सके कि 16 साल से कम के बच्चे कितनी देर तक सोश्यल मीडिया देखते हैं। उनके माता-पिता को यह जानने की सुविधा होगी कि उनके बच्चे इंटरनेट पर क्या-क्या देखते हैं और कितनी देर तक देखते हैं। वे इंटरनेट पर जानेवाली हर प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री पर प्रतिबंध लगाएंगे। इस तरह की कई अन्य मर्यादाएं लागू करना अमेरिका में ही नहीं, भारत और दक्षिण एशिया के देशों में उनसे भी ज्यादा जरुरी है। यदि भारत सरकार इस मामले में देरी करेगी तो भारतीय संस्कृति की जड़ें उखड़ने में ज्यादा देर नहीं लगेगी। मैं तो चाहता हूं कि भारत का अनुकरण दुनिया के सारे देश करें। (लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक / ईएमएस)

भारत के लिए खुले नए रास्ते

भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच जो व्यापारिक समझौता अभी-अभी हुआ है, वह इतना महत्वपूर्ण है कि कुछ ही वर्षों में हमारे इन दोनों देशों का व्यापार न सिर्फ दुगुना हो जाएगा बल्कि मैं यह कह दूं तो आश्चर्य नहीं होगा कि भारत का व्यापार और परस्पर विनिवेश शायद दुनिया में सबसे ज्यादा यूएई के साथ भी हो सकता है। इस समय दोनों का आपसी व्यापार 50 बिलियन डॉलर के आस-पास है। इसे 100 बिलियन डॉलर होने में पांच साल भी नहीं लगेंगे, क्योंकि यूएई अपने आप में छोटा देश है लेकिन यह सारे अरब देशों और सारे अफ्रीकी महाद्वीप का मुहाना है। इसके जरिए आप इन दोनों क्षेत्रों में आसानी से पहुंच सकते हैं। दूसरे शब्दों में अबू धाबी से व्यापार करने का अर्थ है, दर्जनों देशों से लगभग सीधे जुड़ना। भारत का ज्यादातर माल जो कराची और लाहौर के बाजारों में बिकता है, वह कहां से आता है? वह दुबई से ही निर्यात होता है। यूएई में भारत के लगभग 40 लाख लोग रहते हैं। एक करोड़ की जनसंख्या में 40 लाख भारतीय, 15 लाख पाकिस्तानी और शेष पड़ौसी राष्ट्रों के लाखों नागरिकों को दुबई-अबू धाबी में देखकर यह लगता ही नहीं है कि हम विदेश में हैं। यूएई छोटा-मोटा भारत ही लगता है। ऐसा भारत जो संपन्न है, सुशिक्षित है और जिसमें सांप्रदायिक सदभाव है। यूएई एक मुस्लिम राष्ट्र होते हुए भी भारत की तरह अत्यंत उदार और सर्वसमावेशी राष्ट्र है। इसमें रहनेवाले प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्म पालन की पूर्ण स्वतंत्रता है। अबू धाबी के शेख नाह्यान मुबारक भारतीयों के बीच अत्यंत लोकप्रिय हैं। वे स्वयं मुझे कई बार मंदिरों में साथ लेकर गए हैं। वे अपनी मजलिसों के प्रीति-भोज कई बार हमारी खातिर शुद्ध शाकाहारी भी रखते हैं। हमारे व्यापार मंत्री पीयूष गोयल ने वहां जाकर जो एतिहासिक व्यापारिक समझौता किया है, वह भारत के व्यापार को तो बढ़ाएगा ही, वह लगभग डेढ़ लाख नए रोजगार भी पैदा करेगा। भारत के 90 प्रतिशत निर्यात पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। कुछ ही वर्षों में यह कर-मुक्ति शत प्रतिशत हो जाएगी। पिछले दिनों जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिंहा भी दुबई गए थे। उन्होंने विनियोग के लिए कश्मीर के दरवाजे खोल दिए हैं। जब यूएई के करोड़ों-अरबों रु. कश्मीर में लगने लगेंगे तो कश्मीर की हालत कहीं बेहतर हो जाएगी। यूएई और सउदी अरब, दोनों ने धारा 370 के मामले में पाकिस्तान की आवाज में आवाज नहीं मिलाई है। वे अब भारत के ज्यादा नजदीक आते जा रहे हैं। भारत और यूएई एक-दूसरे के इतने नजदीक आते जा रहे हैं कि मैं तो सोचता हूं कि सात देशों के इस यूएई संघ को भी जन-दक्षेस के 16 देशों में जोड़ लिया जाना चाहिए। आजकल पिछले छह-सात साल से चले भारत-पाक विवाद के कारण दक्षेस (सार्क) ठप्प हो गया है। इसका विकल्प जन-दक्षेस ही है। जन-दक्षेस में दक्षेस के आठ राष्ट्रों के अलावा म्यांमार, ईरान, मोरिशस और मध्य एशिया के पांचों गणतंत्रों के साथ-साथ यदि यूएई को भी जोड़ लिया जाए तो यह यूरोपीय संघ से भी ज्यादा शक्तिशाली महासंघ बन सकता है। (लेखक - डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

विश्व सामाजिक न्याय दिवस

दुनिया में लोगों के बीच कई तरह के भेदभाव पैदा हो रहे हैं, जो कि लोगों के बीच एक दूरी का कारण बन गया हैं. इन भेदभाव के कारण कई लोगों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है. वहीं दुनिया में इस तरह की बुराइयों को खत्म करने के लिए हर साल 'विश्व सामाजिक न्याय दिवस' मनाया जाता है. इस दिवस को कई उद्देश्यों को प्राप्त करने के मकसद के लिए बनाया गया है. इस दिवस के दिन कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करके लोगों को जागरूक किया जाता है. ये दिवस मुख्य तौर से नस्ल, वर्ग, लिंग, धर्म, संस्कृति, भेदभाव, बेरोजगारी से जुड़ी हुई कई समस्याओं को हल करने के उद्दश्ये से हर साल मनाया जाता

दुनिया से बुराइयों को ख़त्म करने के लिए विश्व सामाजिक न्याय दिवस की शुरुआत की गई है. इसकी शुरुआत कब हुई और कब ये दिन मनाया जाता है. इसकी पूरी जानकारी आपको हम यहां दे रहे हैं.

हर साल 20 फरवरी के दिन ये दिवस पूरी दुनिया में मनाया जाता है. संयुक्त राष्ट्र द्वारा साल 2007 में इस दिन को मनाने की घोषणा की गई थी.

साल 1995 में कोपेनहेगन, डेनमार्क में सोशल डेवलपमेंट के लिए विश्व शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था. इस शिखर सम्मेलन में 100 से अधिक राजनीतिक नेताओं ने गरीबी, पूर्ण रोजगार के साथ-साथ लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का लक्ष्य रखा था. इसके अलावा समाज के लिए कार्य करने के लक्ष्य को हासिल करने का उद्देश्य भी इस आयोजन में रखा गया था. जिसके बाद साल 26 नवंबर, 2007 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने कोपेनहेगन में हुए इस शिखर सम्मेलन के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए 20 फरवरी को विश्व सामाजिक न्याय दिवस के रूप में नामित किया था. वहीं साल 2009 में सबसे पहले इस दिन को पूरे विश्व में मनाया गया था.

विश्व सामाजिक न्याय दिवस के उद्देश्यों को पूरा करने के मकसद से संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय श्रम कार्यालय एक साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं. संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय श्रम कार्यालय द्वारा लोगों के बीच इस दिन के महत्व को फैलाने के लिए कई कार्य किए जा रहे हैं. वहीं हर साल दुनिया के लगभग हर देश में विश्व सामाजिक न्याय दिवस को मनाया जाता है और इसके प्रति अपने देश के लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने का कार्य किया जाता है.

हर साल विश्व सामाजिक न्याय दिवस के लिए एक विषय का चयन किया जाता है. इस विषय के माध्यम से लोगों को जागरूक बनाने की कोशिश की जाती है. इस साल यानि सन 2022 में विश्व सामाजिक न्याय दिवस का विषय 'अचीविंग सोशल जस्टिस थ्रू फॉर्मल एम्प्लॉयमेंट' है जिसका मतलब है औपचारिक रोजगार के माध्यम से सामाजिक न्याय प्राप्त करना.

साल 2018 के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व सामाजिक न्याय दिवस के लिए जो विषय चुना गया है, वो है 'वर्कर ऑन द मूवः द क्वेस्ट फॉर सोशल जस्टिस'. इस विषय के जरिए दूसरे देशों से अन्य देशों में कार्य करने आए लोगों के साथ सामाजिक न्याय करने की पहल संयुक्त राष्ट्र द्वारा की गई है. अंतर्राष्ट्रीय श्रम कार्यालय के अनुसार इस वक्त करीब 25 करोड़ लोग दूसरे देशों में जाकर बसे हुए हैं, जिनमें से लगभग 15 करोड़ प्रवासी लोग कार्य कर रहे हैं. दूसरे देश में कार्य कर रहे इन 15 करोड़ लोगों के ऊपर ही इस साल का विश्व सामाजिक न्याय का विषय रखा गया है.

भारत सरकार ने कई ऐसे आयोगों का गठन किया है जो कि सामाजिक न्याय के हितों के लिए कार्य करते हैं. भारत के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा कई योजनाओं की मदद से भी लोगों की सहायता की जाती है. वहीं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से लकेर राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास आयोग जैसे सराकरी संगठन दिन रात हमारे समाज से भेदभाव,बेरोजगारी और बच्चों की सुरक्षा के लिए कार्य कर रहे हैं. वहीं 20 फरवरी के दिन इन संगठनों द्वारा कई कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है. इसके अलावा स्कूल में भी इस दिन को लेकर कई तरह की प्रतियोगिता बच्चों के बीच रखी जाती है. जैसी की निंबध लिखना, इस दिन को चित्र के जरिए समझाना और इत्यादि.

भारत के सविधान को बनाते समय देश में सामाजिक न्याय का खासा ध्यान रखा गया था. वहीं इस वक्त हमारे देश के सविधान में कई ऐसा प्रावधान मौजूद हैं, जो कि सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए हैं. वहीं सुंयक्त राष्ट्र के साथ कदम से कदम मिलाकर भारत सरकार सामाजिक न्याय के लिए कई कार्य कर रही है. भारत देश में कई तरह की जाति के लोग मौजूद हैं, इसके अलावा हमारे देश में कई ऐसी प्रथाएं हैं जो की सामाजिक न्याय के लिए खतरा हैं और इन्हीं चीजों से लड़ने के लिए भारत ने कई महत्वपूर्ण कार्य भी किए हैं.

भारत सरकार द्वारा हमारे देश से गरीबी, बेरोजगारी, लोगों के बीच असमानता जैसी चीजों को खत्म करने की काफी जरूरत है. वहीं हमारी सरकार द्वारा इन चीजों को खत्म करने के लिए कई कोशिशें की जा रही हैं. लेकिन अभी भी हमारे देश में इन समस्याओं से पूरी तरह से निपटा नहीं गया है. वहीं इस दिवस के मकसद से भारत सरकार लोगों को शिक्षा का महत्व, भेदभाव नहीं करने जैसी चीजों के बारे में जागरूक करने में लगी हुई है और उम्मीद है कि आनेवाले सालों में भारत सरकार अपने इन लक्ष्यों में कामयाब हो जाएगी.

जिस तरह से पूरे विश्व में 20 फरवरी को सामाजिक न्याय मनाया जाता है. ठीक उसी तरह भारत सरकार 25 सिंतबर को भी ये दिवस मनाती है. हर साल इस दिन हमारे देश में राष्ट्रीय सामाजिक न्याय दिवस मनाया जाता है. जिसके उद्देश्य विश्व सामाजिक न्याय से मिलते जुलते ही हैं. (लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / ईएमएस)

इस 'सांप्रदायिकतावादी विरोध' का आख़िर कोई पैमाना भी है ?

'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' का नारा देने वाले हमारे देश के भारतीय जनता पार्टी शासित राज्य कर्नाटक की राजधानी बंगलौर से लगभग सौ किलोमीटर की दूरी पर स्थित मांडया ज़िले के एक कॉलेज की वीडिओ इन दिनों पूरे विश्व में वायरल हो रही है जिसमें हिजाब पहने कॉलेज की एक अकेली मुस्लिम छात्रा को दर्जनों लोग कॉलेज कैम्पस में घेरे हुये हैं और उसके हिजाब पहनने का विरोध कर रहे हैं। साथ साथ यह युवक 'जय श्री राम' के नारे भी लगा रहे हैं। युवकों की इस भीड़ को देखकर साफ़ पता चलता है कि ये वे लोग हैं जिन्हें बाक़ायदा भगवा ब्रिगेड ने प्रशिक्षित किया है। हिजाब पहनने वाली छात्राओं का अचानक कर्नाटक में इतना विरोध बढ़ जायेगा और यह देश के अन्य राज्यों में भी फैल जायेगा यहाँ तक कि हिजाब पहनने के विरोध में भगवा गमछा गले में डाल कर हिंदूवादी संगठन हिन्दू छात्राओं को भी कॉलेज भेजने लगेंगे इसकी उम्मीद भी नहीं की जा सकती थी। परन्तु सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की एक साज़िश के तहत यह किया गया। और इस 'हिजाब बनाम भगवा गमछा' के सुनियोजित विवाद की आग से निकला धुआँ देश के अन्य राज्यों में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में फैल गया।

मैं व्यक्तिगत रूप से न तो हिजाब का समर्थक हूँ न ही विरोधी। मैं उन लड़कियों की धार्मिक भावनाओं का भी आदर करता हूँ जो अपनी धार्मिक परम्पराओं व मान्यताओं का सम्मान करते हुये हिजाब अथवा नक़ाब (धारण) करती हैं। साथ ही हिजाब अथवा नक़ाब न धारण करने वाली उन महिलाओं का भी समान रूप से सम्मान करता हूँ जो अपनी स्वतंत्रता व मानवाधिकार का इस्तेमाल करते हुये हिजाब अथवा नक़ाब धारण नहीं करतीं। परन्तु दक्षिणपंथियों की इस दलील से क़तई सहमत नहीं कि यदि हिजाब पहनना है तो कॉलेज के बजाये मदरसे में जाकर पढ़ाई करें। यदि किसी लिबास के कारण उसके स्थान व गंतव्य निर्धारित किये जाने लगे फिर तो किसी भी साधु या मुल्ला को मुख्यमंत्री सांसद अथवा विधायक बनने के बाद अपने धार्मिक लिबास में संसद अथवा विधानसभा में ही नहीं जाना चाहिये क्योंकि 'हिजाब+मदरसा' थ्योरी के अनुसार तो भगवा लिबास केवल मठ मंदिर आश्रम तक ही सीमित रहना चाहिये और किसी निर्वाचित मौलवी को भी अपना धार्मिक लिबास पहन कर सदन में आने के बजाये केवल मस्जिद/मदरसे में ही जाना चाहिये ?

दूसरी महत्वपूर्ण बात यह भी है कि दक्षिणपंथी संप्रदायिकतावादियों के इस हिजाब विरोध में उनका दोहरापन भी साफ़ नज़र आता है। जब यही मुस्लिम महिलायें हिजाब /नक़ाब/बुर्क़ा पहन कर गुरुपूर्णिमा में किसी गुरूजी की आरती उतारती नज़र आती हैं ,जब यही हिजाबधारी व नक़ाबपोश महिलाएं भगवन राम की आरती उतारती हैं,जब यही मुस्लिम महिला स्वयं हिजाब /नक़ाब ओढ़े अपने बच्चे को श्री कृष्ण का लिबास पहनाकर श्री कृष्ण जन्माष्टमी में श्री कृष्ण की भूमिका अदा करने ले जाती है तब यही 'प्रशिक्षित हिजाब विरोधी' उसके हिजाब का विरोध करने के बजाये उनका स्वागत करते दिखाई देते हैं,उनपर पुष्प वर्षा करते हैं। जब राष्ट्रीय स्वयं सेवक द्वारा गठित राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के किसी आयोजन में मुस्लिम महिलायें हिजाब,नक़ाब या बुर्क़े में शिरकत करती हैं और भजन कीर्तन करती हैं तब यही हिजाब विरोधी उनका स्वागत करते व उनके साथ खड़े दिखाई देते हैं? परन्तु कॉलेज की छात्रा का हिजाब पहनना इनसे सहन नहीं होता ?

इनके ऐसे ही दोहरेपन व संकीर्णता का एक और जीवंत उदाहरण। इसी वर्ष 8 जनवरी को केरल के राज्यपाल आरिफ़ मोहम्मद ख़ां ने उज्जैन के महाकाल मंदिर में ज्योतिर्लिङ्ग के दर्शन किये। उन्होंने यहाँ भोग आरती में शिरकत की। उन्हें मंदिर के पुजारियों द्वारा पूजा कराई गयी। उनका पूरा सम्मान किया गया तथा उन्हें सम्मान स्वरूप प्रशाद व सिरोपा आदि भेंट किया गया। निश्चित रूप से आरिफ़ मोहम्मद ख़ां का मंदिर में जाना,वहां की परंपरानुसार पूजा पाठ में शरीक होना और मंदिर के पुजारियों द्वारा बिना उनका धर्म जाति पूछे उन्हें पूरा मान सम्मान देना हमारी गंगा यमुनी तहज़ीब की जीवन्त मिसाल है और इसका सर्वत्र स्वागत किया जाना चाहिये। परन्तु यदि यह सही है तो डासना के मंदिर के बाहर लगे सार्वजनिक पियाऊ पर एक प्यासे मुस्लिम बच्चे का मात्र पानी पीना अपराध कैसे हो गया ? किस आधार पर और किस मानसिकता के चलते उस बच्चे की यह कहते हुये पिटाई की गयी कि वह मुसलमान होकर मंदिर के पियाऊ पर पानी पीने कैसे गया ? मंदिर के पियाऊ के पानी को केवल हिन्दुओं के लिये 'सर्वाधिकार सुरक्षित ' करना क्या इससे भगवान श्री राम ख़ुश होंगे ? उदारवादी हिंदुत्व तो ऐसी शिक्षा नहीं देता ? इसी प्रकार देश के अनेक मंदिरों व धर्मस्थानों पर इस आशय का बोर्ड लगा देखा जा सकता है जिसमें लिखा है कि यहाँ मुसलमानों का प्रवेश वर्जित है। हालांकि यही भाषा देश के अनेक मंदिरों में दलितों के लिये भी लिखी गयी है।

पिछले दिनों राहुल गाँधी के लोकसभा में दिये गये भाषण से तिलमिलाये प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में इस बात पर चिंता जताई कि विपक्ष के लोग देश की बदनामी में लगे हैं। कर्नाटक का मांडया हिजाब कांड पूरी दुनिया में क्या देश का मान बढ़ा रहा है ? कभी यही प्रशिक्षित दक्षिणपंथी लड़कियों के जीन-टॉप पहनने का विरोध करने लगते हैं,कभी इन्हें स्कर्ट ब्लाउज़ पसंद नहीं आता , वेलेंटाइन डे का प्रत्येक वर्ष विरोध करने का तो इन्हें गोया नया काम ही मिल गया है। अज्ञान व नमाज़ से इन्हें नफ़रत है। दो अलग धर्मों के लड़के लड़कियां एक साथ खड़े बात करते या कहीं आते जाते इन्हें अच्छे नहीं लगते। देश की बदनामी की चिंता करने वालों को सोचना चाहिये कि आख़िर क्यों शिक्षा विरोधी तालिबानी कट्टरपंथियों की गोली का शिकार हो चुकी नोबल पुरस्कार विजेता मलाला युसुफ़ज़ई को अपने ट्वीट में यह कहना पड़ा कि - कॉलेज हमें पढ़ाई और हिजाब के बीच चयन करने के लिए मजबूर कर रहा है। 'लड़कियों को उनके हिजाब में स्कूल जाने से मना करना भयावह है। महिलाओं को एक सामान की तरह मानना अभी भी जारी है - भारतीय नेताओं को मुस्लिम महिलाओं के हाशिए पर जाने से रोकना चाहिए।' क्या मलाला की यह टिप्पणी दुनिया का ध्यान आकर्षित नहीं करेगी। अमेरिका तक इस घटना की गूँज क्या देश की बदनामी का सबब नहीं है? यह स्थिति विपक्षी दलों के बदनाम करने से नहीं बल्कि सत्ता के संरक्षण में चल रहे सांप्रदायिकतावादी व छात्रा विरोधी अभियान के चलते बनी है ।

अतिवादियों की इस प्रकार की भ्रम पूर्ण 'कारगुज़ारियां ' जहाँ यह ज़ाहिर करती हैं कि इनके 'सांप्रदायिकतावादी विरोध' का कोई मापदण्ड नहीं है बल्कि यह अपने आक़ाओं के इशारे पर अपनी राजनैतिक सुविधानुसार और सामाजिक ध्रुवीकरण के मद्देनज़र समय समय पर जगह जगह उपद्रव करते दिखाई देते हैं वहीं इससे यह भी साबित होता है कि इन्होंने शिक्षा के उन मंदिरों को भी ध्रुवीकृत करने की कोशिश शरू कर दी है जो बच्चों को धर्म जाति के स्तर से ऊपर उठकर सीखने,सोचने व निखरने का अवसर प्रदान करते हैं तथा परस्पर मेल जोल की भावना के साथ देश को आगे ले जाने में अपनी प्रतिभाओं का उपयोग करते हैं। (लेखक- तनवीर जाफ़री / ईएमएस)

आज का इतिहास 20 फरवरी

1833 मिश्र के साथ युद्ध में तुर्की की मदद के लिए रूसी जहाज बास्फोरस की खाड़ी में पहुंचे.

1868 'अमृत बाजार' पत्रिका का बंगला भाषा में साप्ताहिक के रूप में प्रकाशन शुरू हुआ.

1940 इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका में नए निवेशों पर लगी पाबंदियाँ उठा लेने की घोषणा की.

1942 द्वितीय विश्वयुद्ध में जापानी सैनिकों ने डच ईस्टइंडीज में बाली पर हमला किया.

1947 ब्रिटिश प्रधानमंत्री क्लेमेंट एटली ने भारत को आजादी देने के बारे में घोषणा की.

1962 जान एच.ग्लेन अमरीका के प्रथम अंतरिक्ष यात्री बने.

1968 मुंबई के के.ई.एम अस्पताल के डॉ. पो. के .सेन ने हृदय प्रत्यारोपण का पहला ऑपरेशन किया.

1976 मुंबई हाई में कच्चे तेल का व्यावसायिक स्तर पर उत्पादन शुरू हुआ.

1982 कन्हार नदी जल पर उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में समझौता.

1987 मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश का क्रमश 23वाँ व 24वाँ राज्य के रूप में उद्घाटन.

1987 मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश पूर्ण राज्य बने.

1988 रियो डी जेनेरी में बाढ़ से 65 लोग मारे गए और एक अस्पताल के सौ से अधिक लोग लापता हुए.

1999 भारत के प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी ने पाकिस्तान की ऐतिहासिक बस यात्रा की.

1999 दूरदर्शन पर खेल चैनल शुरु हुआ.

2001 भाकपा के वरिष्ठ नेता इंद्रजीत गुप्त का निधन.

2005 लखनऊ में मौहर्रम के ताजिया जुलूस के दौरान शिया और सुन्नी मुसलमानों के दंगों में 3 मरे.

दैनिक पंचांग

20 फरवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.43 बजे से
चंद्र	कन्या में	मेष	09.13 बजे से
मंगल	धनु में	वृष	10.53 बजे से
बुध	मकर में	मिथुन	12.51 बजे से
गुरु	कुंभ में	कर्क	15.05 बजे से
शुक्र	धनु में	सिंह	17.21 बजे से
शनि	मकर में	कन्या	19.33 बजे से
राहु	वृष में	तुला	21.43 बजे से
केतु	वृश्चिक में	वृश्चिक	23.58 ब.से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		धनु	02.14 बजे से
		मकर	04.19 बजे से
		कुंभ	06.06 बजे से

रविवार 2022 वर्ष का 51 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2078 **शक संवत्** 1943
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 21.06 बजे को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 16.42 बजे को समाप्त।
योग शूल 15.07 बजे को समाप्त।
करण बव 09.34 बजे तदनन्तर बालव 21.06 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 18.8 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 11° 00'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871165
जूलियन दिन 2459630.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना रज्जब **तारीख** 18
विशेष गणेश चतुर्थी व्रत।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक	
चर	07.23 से	08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक		चर	08.41 से	10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक		रोग	10.14 से	11.46 बजे तक	
काल	11.46 से	01.14 बजे तक		काल	11.46 से	01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7203

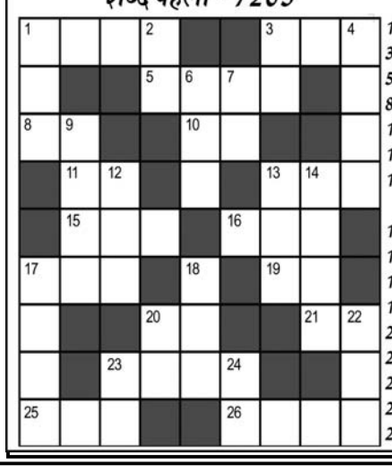

बाएँ से दाएँ

1. ओस की बूंदे (उर्दू-4)
3. आसमान, गगन-3
5. निम्न, जो स्तरीय न हो-4
8. रात्रि, निशा-2
10. सिलना, छाती
11. नश, नाड़ी-2
13. एक समाज सुधारक जिनके दोहे काफी प्रसिद्ध हैं-2
15. इसे आंखों में लगाते हैं-3
16. प्रभाव-3
17. समीप, पास, नजदीक-3
19. भगवान, खुदा-2
20. जानवर इसे खाते हैं-2
21. होठ, अधर-2
23. लूटपाट, डाका-4
25. प्रकार-3
26. बेबस, लाचार-4

ऊपर से नीचे

1. चिंगारी, अंगारा-3
2. मस्ती में चूर-2
3. इज्जत, साख-2
4. तलवार (उर्दू-4)
6. रसदार, रस से भरा-3
7. मेहंदी, ऋषि कपूर की फिल्म-2
9. सब्जी, भाजी-4
13. कमी-3
14. अकबर के एक हिंदू सलाहकार-4
17. अचरज भरा कार्य-4
18. वायुसेना के एक विमान का नाम-3
20. चाहत, प्रेम-2
22. ऋतुराज, मौज-मस्ती-3
23. रास्ता, डगर-2
24. एक पेड़ जिसकी टहनी से दातुन करते हैं-3

शब्द पहेली -7202 का हल

भारत वेस्टइंडीज के बीच तीसरा टी-20 आज, कोहली को मिला बायो बबल ब्रेक

कोलकाता (ईएमएस)। कोलकाता में खेली जा रही भारत और वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज के आखिर मुकाबले से पहले विराट कोहली को ब्रेक दिया गया है। विराट कोहली को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले विराट कोहली को रविवार को होने वाले तीसरे टी-20 से पहले बायो बबल से आराम के लिए ब्रेक दिया गया है। विराट कोहली घर के लिए रवाना हो गए हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज के बाद टीम इंडिया को श्रीलंका के खिलाफ 3 टी-20 और 2 टेस्ट मुकाबलों की सीरीज खेलनी है। विराट कोहली को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज को ध्यान रखते हुए ब्रेक दिया गया है। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज की शुरुआत 24 फरवरी से लखनऊ में पहले टी-20 से होगी। पहला टी-20 लखनऊ में और आखिरी दो टी-20 मुकाबले धर्मशाला में खेले जाने है।

टी-20 सीरीज के बाद श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मुकाबले खेलने हैं। टेस्ट सीरीज की शुरुआत 4 मार्च से मोहाली में होनी है और दूसरा टेस्ट मैच 12 मार्च से बेंगलुरु में खेला जाएगा। मोहाली में खेला जाने वाला पहला टेस्ट विराट कोहली के लिए काफी खास होगा। विराट मोहाली में अपना 100वां टेस्ट खेलने के लिए उतरेंगे। बेंगलुरु में होने वाला दूसरा टेस्ट मैच भारत में खेला जाने वाला तीसरा डे-नाइट टेस्ट मुकाबला होगा।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के साथ विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को भी बायो बबल से आराम के लिए तीसरे टी-20 से ब्रेक दिया गया है। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे टी-20 में शानदार प्रदर्शन किया था। विराट ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी-20 मुकाबले में 52 रनों की पारी खेली। इससे पहले वह तीनों वनडे मुकाबलों में और पहले टी-20 में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों के सामने संघर्ष करते नजर आए थे। वहीं ऋषभ पंत ने भी 52 रनों की पारी खेलकर प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब हासिल किया।

अनिरुद्ध, ईएमएस, 19 फरवरी 2022

जहाज में आग लगने के बाद लापता 12 लोगों की तलाश जारी

एथेंस (ईएमएस)। यूनान में जहाज में आग लगने के बाद से लापता बताए जा रहे 12 लोगों की तलाश में बचाव दल जुटा रहा। इटली जा रहे इस जहाज में जब आग लगी, तब वह आयोनियन सागर में था। लेकिन दूसरे दिन भी जहाज जलता रहा। रातभर आग बुझाने के प्रयास जारी रहे। इस दौरान यूरोफेरी ओलंपिया नामक जहाज को घेर लिया गया। आग लगने से पहले जहाज पर यात्री और चालक दल समेत 290 से अधिक लोग सवार थे। तटरक्षक बलों और अन्य नौकाओं के चालकों की मदद से करीब 280 लोगों को बचाकर कोर्फू द्वीप पर पहुंचाया गया है। जहाजरानी मंत्री जियानिस प्लाकिओटाकिस ने कहा, यह एक बड़ा बचाव अभियान है और आग बुझाने का प्रयास अब भी जारी है, लापता 12 लोगों की तलाश जारी है जिनमें तीन यूनानी शामिल हैं।'' माना जाता है, कि अन्य लापता यात्रियों में ज्यादातर बुल्गारिया के हैं। अधिकारियों ने कहा कि बचाए गए लोगों में अल्बानिया, तुर्की, बुल्गारिया, रोमानिया, यूनान, इटली और लिथुआनिया के नागरिक शामिल हैं। उत्तर पश्चिमी यूनान के इगौमेनित्सा बंदरगाह से इतालवी बंदरगाह ब्रिंडिसी के लिए रवाना होने के तीन घंटे बाद जहाज में आग लग गई। जहाज पर 153 ट्रक और 32 कारों को ले जाया जा रहा था। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। लेकिन जहाज का संचालन करने वाली इतालवी कंपनी ने कहा कि आग उस स्थान से शुरू हुई जहां वाहन खड़े थे।

यूक्रेन में जोरदार कार धमाका, पुतिन के 'फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन' की जताई आशंका

कीव (ईएमएस)। भारी तनाव के बीच यूक्रेन के पूर्वी हिस्से में रूस समर्थित अलगाववादियों के कब्जे वाले शहर डोनेट्स्क में एक कार में जोरदार धामाका हुआ है। माना जा रहा है कि यह पुतिन के 'फॉल्स फ्लैग अभियान' की शुरुआत है जिसकी अटकलें लंबे समय से लगाई जा रही थीं। यह यूक्रेन पर रूसी हमले का पहला चरण भी हो सकता है जिसका अमेरिका लगातार दावा कर रहा है। डोनेट्स्क के मुख्यालय के पास शुक्रवार देर रात एक कार बम ब्लास्ट हुआ, जिसमें एक जीप पूरी तरह से तबाह हो गई जो क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रमुख डेनिस सिनेंकोव की थी। उनके घायल होने की सूचना नहीं है। खबर के मुताबिक रूस की सरकारी मीडिया ने सबसे पहले इस धमाके की जानकारी दी और तस्वीर जारी की। अगर फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन को लेकर पश्चिम की चेतावनी सच साबित होती है, तो इसका मतलब है कि पुतिन की सेना ने खुद कार को बम से उड़ाया ताकि यह दावा किया जा सके कि यूक्रेन का पूर्वी क्षेत्र और इसमें रहने वाले रूसी नागरिकों पर हमले का खतरा मंडरा रहा है। इस 'बहाने' का इस्तेमाल करके रूसी सैनिक और टैंक सीमा पार करते हुए यूक्रेन पर हमला कर सकेंगे।

इस विस्फोट से कुछ घंटे पहले अलगाववादी के कब्जे वाले दोनों क्षेत्रों के नेताओं ने घोषणा करते हुए कहा कि वे महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के निकासी की योजना बना रहे हैं। अलगाववादी नेताओं ने अपनी लोगों से अपील करते हुए कहा कि वह क्षेत्र में खून-खराबे से बचने के लिए जितना जल्दी हो सके रूस चले जाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि कीव सरकार हमले की योजना बना रही है। वहीं यूक्रेन ने इन आरोपों को खारिज किया है। यूक्रेन ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अलगाववादियों के कब्जे वाले पूर्वी यूक्रेन के इलाकों में रूस की उकसावे की कार्रवाई की निंदा करने की अपील की। यूक्रेन ने कहा कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो मॉस्को इस स्थिति को और बिगाड़ देगा। माना जाता है कि पूर्वी यूक्रेन के दोनों क्षेत्रों, जिस पर रूस समर्थित अलगाववादियों का कब्जा है, में लाखों की आबादी रहती है। इनमें ज्यादातर लोग रूसी भाषी हैं और कइयों ने तो रूस की नागरिकता भी हासिल कर ली है।

शुक्रवार को इस क्षेत्र में भीषण गोलाबारी हुई जिसे लेकर अलगाववादियों और कीव सरकार ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए। शनिवार को रूस परमाणु मिसाइल अभ्यास करने जा रहा है जिसे देखने के लिए खुद पुतिन मौजूद रहेंगे। यह अभ्यास ऐसे समय पर होने जा रहा है जब दावा किया जा रहा है कि यूक्रेन सीमा पर मौजूद रूसी सैनिकों की संख्या 190,000 तक पहुंच गई है। इसमें रूसी टैंक, तोपें, हेलिकॉप्टर्स, लड़ाकू विमान और मिसाइल बैटरियां भी शामिल हैं।

ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में 1.47 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैपिटलाइजेशन पिछले 24 घंटों के दौरान 1.47 फीसदी की गिरावट के साथ 1.83 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया है। जबकि ट्रेडिंग वॉल्यूम 16.75 फीसदी की गिरावट के साथ 72.95 अरब डॉलर हो गया है। जहां डिसेंट्रलाइज्ड फाइनेंस 24 घंटों की क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग वॉल्यूम के 12.29 फीसदी के साथ 8.97 अरब डॉलर पर रहा है। वहीं स्टेबलकॉइन्स इसके 80.75 फीसदी के साथ 58.91 अरब डॉलर पर रहे हैं। बिटकॉइन की बाजार में मौजूदगी 0.06 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 41.72 फीसदी पर पहुंच गई है। मार्केट कैपिटलाइजेशन के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन शुक्रवार को 40,208.63 डॉलर पर ट्रेड कर रही है। रुपए की टर्म में बिटकॉइन 1.31 फीसदी की गिरावट के साथ 33,84,999 रुपए पर ट्रेड कर रहा है। जबकि, इथे?रियम 1.44 फीसदी की गिरावट के साथ 2,40,000 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं कारडोनो 1.33 फीसदी नीचे गिरकर 83.86 रुपए पर मौजूद है और एवेलेन्चे की कीमतें 0.57 फीसदी गिरकर 7,285.7 रुपए पर पहुंच गईं हैं। पोलकेडॉट क्रिप्टोकरेंसी पिछले 24 घंटों के दौरान 1.74 फीसदी की गिरावट के साथ 1,508 रुपए पर ट्रेड कर रही है। वहीं ?लिटक्वाइन 2.63 फीसदी नीचे गिरकर 9,792.5 रुपए पर ट्रेड कर रहा है। इसके अलावा टीथर 0.09 फीसदी के उछाल के साथ 78.27 रुपए पर आ गया है। वहीं मीमकॉइन ?शिव में 2.47 फीसदी की तेजी देखी गई है जबकि डॉगेक्वाइन 0.85 फीसदी की गिरावट के साथ 11.52 रुपए पर ट्रेड कर रहा है। टेरा 2.48 फीसदी खिसककर 4,365 रुपए पर मौजूद है।

कनाडा में आंदोलन, भारतीय छात्रों की मदद के लिए एडवाइजरी जारी

ओटावा (ईएमएस)। कनाडा में कोरोना वैक्सीन लगवाने की अनिवार्यता के विरोध में शुरू हुए ट्रक चालकों के आंदोलन का असर इकोनॉमी के दूसरे सेक्टर पर दिखाना शुरु हो चुका हैं। ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल से परेशान होकर राइजिंग फीनिक्स इंटरनेशनल इंक ने अपने तीन शिक्षा संस्थानों को बंद करने की घोषणा कर दी है। इसके बाद वहां पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्रों के लिए कई समस्याएं पैदा हुई हैं। इसके बाद ओटावा के भारतीय उच्चायोग ने भारतीय छात्रों के लिए एक एडवायजरी जारी की है। भारतीय उच्चायोग ने कहा कि राइजिंग फीनिक्स इंटरनेशनल इंक के अपने तीन शिक्षा संस्थानों को बंद करने से प्रभावित कई भारतीय छात्रों ने उससे संपर्क किया था। एडवायजरी में कहा गया कि इस मामले को लेकर उच्चायोग संघीय सरकार और क्यूबेक की राज्य सरकार के संपर्क में है। प्रभावित छात्रों की मदद करने के लिए भारतीय समुदाय के जन प्रतिनिधियों से भी संपर्क किया गया है।

उच्चायोग ने कहा कि अगर छात्रों को अपनी फीस की वापसी या ट्रांसफर के मामले में कोई कठिनाई आती है,तब वहां क्यूबेक राज्य के उच्च शिक्षा मंत्रालय में शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उच्चायोग ने फिर ये दोहराया कि कनाडा में शिक्षा हासिल करने के इच्छुक भारतीयों को संस्थानों की वैधता की पूरी तरह से जांच कर लेनी चाहिए। जिससे वे किसी भी संभावित धोखाधड़ी से बच सकें। छात्रों को इसतरह के किसी भी संस्थान को कोई पेमेंट करने से बचना चाहिए, जो पेमेंट करने के एवज में वीजा दिलाने का वादा करता है। साथ ही इसतरह के संस्थानों को अपनी निजी जानकारी और डेटा भी देने से बचना चाहिए। एडवायजरी में कनाडा में रहने वाले भारतीय छात्रों को अपने करीबी भारतीय मिशन में मदद पोर्टल में अपना नाम दर्ज कराने के लिए कहा गया है।

गौरतलब है कि अमेरिका-कनाडा सीमा पर सभी चालकों के लिए कोरोना वैक्सीन को लगवाने की अनिवार्यता के खिलाफ जनवरी में कनाडा में ट्रक ड्राइवरों का विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ। इसके बाद ओटावा में इस मांग को लेकर हजारों ट्रक चालकों और दूसरे लोगों ने भी प्रदर्शन किया।धीरे-धीरे ये प्रदर्शन सरकार विरोधी आंदोलन में बदल गया। प्रदर्शन में शामिल कई समूहों ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे की मांग करनी शुरू कर दी है।

चीनी युद्धपोत ने ऑस्ट्रेलिया के गश्ती विमान पर लेजर दागी:रक्षा विभाग

ब्रिस्बेन (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा विभाग ने कहा कि चीनी नौसेना के जहाज ने उसके निगरानी विमान पर लेजर दागी, इससे चालक दल की जान खतरे में पड़ गई। विभाग ने कहा कि यह घटना गुरुवार को उस समय हुई, जब पी-8ए पोसीडॉन विमान ने ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी रास्ते पर उड़ान के दौरान एक लेजर का पता लगाया। विभाग ने कहा कि लेजर 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी' के जहाज से दागी गई। यह एक अन्य चीनी जहाज के साथ था, जो टोरेस जलडमरूमध्य से होकर गुजरा। दोनों जहाज अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व में कोरल सागर में हैं। विभाग ने कहा, ''हम गैर-पेशेवर और असुरक्षित सैन्य आचरण की कड़ी निंदा करते हैं। इन कार्रवाइयों से एडीएफ कर्मियों की सुरक्षा और जीवन को खतरा हो सकता था। लेजर एक गंभीर समस्या पेश करते हैं, क्योंकि जब विमान को निशाना बनाया जाता है,तब वे पायलटों को घायल कर सकते हैं या अस्थायी रूप से उन्हें दृष्टिबाधित कर सकते हैं।

सरकार ने पेंशनरों के जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने की तारीख बढ़ाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकारी पेंशनरों के जीवन प्रमाण-पत्र और एलआईसी बीमाधारों के पेन अपडेट करने की तारीख बढ़ा दी गई है। पेंशनर्स 28 फरवरी तक अपना जीवन प्रमाण-पत्र जमा कर सकते हैं तो वहीं एलआईसी पॉलिसी होल्डर के लिए भी पैन अपडेट कराने की आखिरी तारीख भी 28 फरवरी ही है। जो एलआईसी बीमाधारक एलआईसी के आईपीओं में पैसा लगाना चाहता है उसके लिए पैन अपडेट कराना अनिवार्य है, नहीं तो उसे आईपीओ में रिजर्वेशन नहीं मिलेगा। पेंशनभोगियों को अपनी पेंशन जारी रखने के लिए हर वर्ष लाइफ सर्टिफिकेट जमा कराना होता है। ऐसा न करने पर उनकी पेंशन बैंक अकाउंट में नहीं डाली जाती। पहले लोइफ सर्टिफिकेट जमा कराने की तारीख 30 नवंबर 2021 थी, जिसे बढ़ाकर 31 दिसंबर 2021 किया गया था। इसे एक बार फिर बढ़ाकर 28 फरवरी 2022 किया गया। लाइफ सर्टिफिकेट को ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों ही तरीकों से जमा कराया जा सकता है। पेंशन जारी रखने के लिए इसे जमा करना जरूरी है। लाइफ सर्टिफिकेट उस बैंक, डाकघर या अन्य वित्तीय संस्थान में जमा करना होता है, जहां पेंशन आती है। भारतीय जीवन बीमा निगम का आईपीओ इस साल मार्च में आ सकता है। ऐसे में अगर आपने एलआईसी की बीमा पॉलिसी ले रखी है और आप इसके आईपीओ :में हिस्सा लेना चाहते हैं तो आपको 28 फरवरी तक एलआईसी में अपना पैन अपडेट करा लें।

सीईपीए से भारत और यूएई के बीच कारोबार 100 अरब डॉलर पर पहुंचने की संभावना

दुबई (ईएमएस)। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच हुआ व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) द्विपक्षीय संबंधों में मील का पत्थर है,जो गौरवशाली, साझा भविष्य की ओर ले जाकर निवेश बढ़ाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अबु धाबी के शहजादा शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की आनलाइन मौजूदगी में व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और यूएई के अर्थव्यवस्था मामलों के मंत्री अब्दुल्ला बिन तौक अल मर्री द्वारा समझौते पर हस्ताक्षर और आदान-प्रदान किया गया।

यूएई की स्थानीय मीडिया को दिए गए एक विशेष बयान में जयशंकर ने कहा कि यूएई-भारत के बीच सीईपीए पर हस्ताक्षर ''हमारे द्विपक्षीय संबंधों में मील का पत्थर है।उन्होंने कहा, इससे माल और सेवाओं दोनों के व्यापार के नए अवसर पैदा होकर इससे निवेश बढ़ेगा। यूएई में भारतीय राजदूत संजय सुधीर ने कहा कि सीईपीए से अगले पांच साल में भारत और यूएई के बीच व्यापार 60 अरब डॉलर से बढ़कर 100 अरब डॉलर पर पहुंचने की संभावना है।

खुदरा कीमतों में तेजी रोकने प्याज का बफर स्टॉक जारी कर रही सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने खुदरा प्याज की कीमतों में तेजी पर लगाम लगाने उन राज्यों के लिए प्याज का बफर स्टॉक सुनियोजित और लक्षित तरीके से उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है, जहां दाम पिछले महीनों के मुकाबले बढ़ रहे हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा कि बाजारों में प्याज की आपूर्ति बढ़ाने के लिए महाराष्ट्र में प्याज की लासलगांव और पिंपलगांव थोक मंडियों में भी बफर स्टॉक जारी किया जा रहा है। राज्यों को भंडारण से अलग स्थानों पर 21 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से प्याज की पेशकश की गई है। मदर डेयरी के सफल बिक्री केन्द्रों को भी परिवहन लागत सहित 26 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से इस सब्जी की आपूर्ति की गई है। बफर स्टॉक के तेजी से बाजार में आने से प्याज की कीमतों में स्थिरता देखी जा रही है। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक पिछले कुछ हफ्तों में खुदरा प्याज की कीमतें धीरे-धीरे बढ़ रही हैं। दिल्ली और चेन्नई में प्याज की कीमत 37 रुपए किलो थी, जबकि मुंबई में 39 रुपए किलो और कोलकाता में 43 रुपए किलो थी। मंत्रालय ने कहा कि देर से पैदावार वाली खरीफ (गर्मी) प्याज की आवक स्थिर है और मार्च, 2022 से रबी (सर्दियों) फसल के आने तक स्थिर रहने की उम्मीद है। इस साल 17 फरवरी तक प्याज की अखिल भारतीय औसत कीमत पिछले साल की तुलना में 22.36 प्रतिशत कम थी। मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के माध्यम से प्रभावी बाजार हस्तक्षेप के कारण वर्ष 2021-22 के दौरान प्याज की कीमतें काफी हद तक स्थिर रहीं। इसी तरह आलू का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य पिछले महीने की तुलना में 17 फरवरी को 6.96 प्रतिशत कम यानी 20.58 रुपए ?किलो था।

50 करोड़ डालर की अमेरिकी सहायता से संकट में नेपाली पीएम

मदद मिलने की बात पर चीन हुआ चौकन्ना

बीजिंग (ईएमएस)। अमेरिका की ओर से नेपाल को 50 करोड़ डालर के मिलेनियम कॉरपोरेशन चैलेंज (एमसीसी) कार्यक्रम से चौकन्ने चीन ने कहा कि वह जबरदस्ती की कूटनीति'' और संप्रभुता की कीमत पर सहायता के खिलाफ है। नेपाल के राजनीतिक दलों के बीच इस लेकर मतभेद के बीच कि अमेरिकी बुनियादी ढांचा सहायता कार्यक्रम को स्वीकार करना चाहिए या नहीं, चीन काठमांडू में जारी राजनीतिक बहस में कूद गया है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि बीजिंग नेपाल को अंतरराष्ट्रीय सहायता देखकर प्रसन्न है, लेकिन सहायता बिना किसी राजनीतिक बंधन के होना चाहिए।चीनी प्रवक्ता ने सीधे अमेरिका का नाम लिए बिना कहा, इस तरह का सहयोग और सहायता बिना किसी राजनीतिक बंधन के नेपाली लोगों के पूर्ण सम्मान और इच्छा पर आधारित होनी चाहिए।उन्होंने कहा, ''हम जबरदस्ती की कूटनीति और दूसरे देशों की संप्रभुता की कीमत पर स्वार्थी हितों पर आधारित एजेंडे का विरोध करते हैं। पिछले हफ्ते, अमेरिका ने नेपाल से कहा था कि वह एमसीसी के तहत अमेरिका से प्रस्तावित अनुदान सहायता की 28 फरवरी तक पुष्टि करे। अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि अगर काठमांडू ने कार्यक्रम को स्वीकार नहीं किया, तब वाशिंगटन नेपाल के साथ अपने संबंधों की समीक्षा कर इसके विफल होने की दशा में चीन के हित को जिम्मेदार मानेगा। नेपाल में इस लेकर राजनीतिक ध्रुवीकरण देखा जा रहा है, कि अमेरिकी बुनियादी ढांचा अनुदान को स्वीकार किया जाना चाहिए या नहीं।

इस बीच नेपाली प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा अमेरिका, चीन और विपक्ष के 'प्रचंड' दबाव में चल रहे हैं। उनके सामने एक तरफ कुंआ,तब दूसरी तरफ खाई की स्थिति पैदा हो गई है। पीएम शेर बहादुर देउबा अगर एमसीसी को संसद में नहीं पेश करते हैं,तब अमेरिका नाराज होगा, वहीं अगर इस पेश करते हैं,तब इससे चीन भड़क उठेगा और उसके समर्थक पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' सरकार को ही गिरा देगा। देउबा ने फिलहाल एमसीसी को संसद में नहीं पेश करने फैसला किया ताकि सरकार बची रहे। वह विपक्षी नेता और पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली से मदद मांग रहे हैं। देउबा की पार्टी नेपाली कांग्रेस के कई नेता चाहते हैं कि सरकार ऐसा हल निकाले कि एमसीसी को मंजूरी भी मिल जाए और गठबंधन भी बना रहे।

पिछले हफ्ते, अमेरिका ने नेपाल से कहा था कि वह एमसीसी के तहत अमेरिका से प्रस्तावित अनुदान सहायता की 28 फरवरी तक पुष्टि करे। नेपाल सरकार के प्रवक्ता ज्ञानेंद्र बहादुर कार्की ने कहा कि एमसीसी मुद्दे पर संक्षिप्त चर्चा के बाद गठबंधन के शीर्ष नेताओं की बैठक संपन्न हुई। इसमें प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा, सीपीएन (माओवादी सेंटर) अध्यक्ष पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' और सीपीएन-यूनीफाइड सोशलिस्ट के अध्यक्ष माधव नेपाल सहित गठबंधन के अन्य नेताओं ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि चर्चा बेनतीजा रही और अगली बैठक रविवार सुबह होगी जहां इस मुद्दे पर फैसला लिया जाएगा।

ओमीक्रोन का उपस्वरूप बीए2 गंभीर बीमारी का कारण भी बनता है: अध्ययन

- बीए2, बीए1 की तुलना में अधिक संक्रामक है, लेकिन उप स्वरूप अधिक गंभीर नहीं

तोक्यो (ईएमएस)। कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप का उप स्वरूप बीए 2 न केवल तेजी से फैलता है बल्कि यह गंभीर बीमारी का कारण भी बनता है। प्रयोगशाला में किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है। अध्ययन के परिणाम की अभी स्वतंत्र रूप से समीक्षा नहीं की गई है। इसे अभी बायोआरएक्सिव पर प्रकाशित किया गया है। इसमें कहा गया है कि बीए2 कोरोना वायरस के पुराने स्वरूप की तुलना में गंभीर बीमारी का कारक बन सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि बीए2, बीए1 की तुलना में अधिक संक्रामक है, लेकिन उप स्वरूप अधिक गंभीर नहीं है। डब्ल्यूएचओ में कोविड-19 टेक्निकल लीड मारिया वान केरखोवा ने एक वीडियो में कहा ?कि सभी उपस्वरूपों में, बीए2 बीए1 की तुलना में अधिक संक्रामक है। हालांकि, गंभीरता के मामले में कोई अंतर नहीं है। नवीनतम अध्ययन में तोक्यो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में एक जापानी टीम ने पाया कि यह काफी हद तक कोविड-19 रोधी टीकों से तैयार प्रतिरक्षा से बच जाता है। अध्ययन के लेखकों ने कहा ?कि प्रयोगों से पता चला है कि टीके से तैयार प्रतिरक्षा बीए2 की तरह बीए1 के खिलाफ काम करने में नाकाम रहती है।

ओमीक्रोन के आरंभिक मामले पहली बार नवंबर 2021 में बोत्सवाना और दक्षिण अफ्रीका से आए थे। इसका बीए1 उप स्वरूप तब से दुनिया भर में तेजी से फैल चुका है और डेल्टा जैसे अन्य स्वरूपों पर हावी हो गया है। इस साल फरवरी तक, डेनमार्क और ब्रिटेन जैसे कई देशों में ओमीक्रोन के एक अन्य उप स्वरूप बीए2 वंश का पता लगाया गया। शोधकर्ताओं ने कहा है कि बीए2 ने बीए1 को पीछे छोड़ना शुरू कर दिया है। इससे पता चलता है कि यह मूल ओमीक्रोन स्वरूप की तुलना में अधिक संक्रामक है। शोधकर्ताओं ने कहा ?कि बीए2 को ओमीक्रोन स्वरूप के रूप में माना जाता है, लेकिन इसका जीनोमिक अनुक्रम बीए1 से काफी अलग है, जो बताता है कि बीए2 की विशेषताएं बीए1 से अलग हैं। शोधकर्ताओं ने चूहों पर इसका अध्ययन किया। अध्ययन के दौरान इन जीवों को बीए2 और बीए1 से संक्रमित किया गया तो देखा गया कि बीए2 से संक्रमित जानवर बीमार हो गए और उनके फेफड़े खराब हो गए। उन्होंने कहा कि ऊतकों के नमूनों में बीए2-संक्रमित चूहों के फेफड़ों को बीए1 से संक्रमितों की तुलना में अधिक नुकसान हुआ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 630 अरब डॉलर रहा

- गोल्ड रिजर्व का मूल्य 95.20 करोड़ डॉलर बढ़कर 40.235 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर से ?गिरावट दर्ज की गई है। 11 फरवरी, 2022 को समाप्त सप्ताह में यह 1.763 अरब डॉलर घटकर 630.19 अरब डॉलर रह गया। इस दौरान गोल्ड रिजर्व का मूल्य 95.20 करोड़ डॉलर बढ़कर 40.235 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से हाल ही में जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इससे पहले 4 फरवरी, 2022 को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.198 अरब डॉलर बढ़कर 631.953 अरब डॉलर रह गया था। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक 28 जनवरी को समाप्त पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 4.531 अरब डॉलर घटकर 629.755 अरब डॉलर हो गया था, जबकि 21 जनवरी को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 67.8 करोड़ डॉलर घटकर 634.287 अरब डॉलर रह गया था। आरबीआई द्वारा जारी ?किए गए साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 11 फरवरी को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में यह गिरावट मुख्य रूप से फॉरेन करेंसी एसेट (एफसीए) में आई कमी की वजह से हुई जो कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

रिजर्व बैंक ने कहा कि रिपोर्टिंग वीक में भारत की एफसीए 2.764 अरब डॉलर घटकर 565.565 अरब डॉलर हो गई। डॉलर में बताई जाने वाली एफसीए में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है। इसके अलावा रिपोर्टिंग वीक में गोल्ड रिजर्व का मूल्य 95.20 करोड़ डॉलर बढ़कर 40.235 अरब डॉलर हो गया। रिपोर्टिंग वीक में इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड(एमआईएफ) में देश का एसडीआर (स्पेशल ड्राइंग राइट) 6.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 19.173 अरब डॉलर हो गया। आईएमएफ में देश का मुद्रा भंडार भी 1.6 करोड़ डॉलर घटकर 5.217 अरब डॉलर रह गया।

भविष्य में बिना मां के हो सकेंगे बच्चे पैदा!

-वैज्ञानिकों ने निकाली ऐसी तकनीक

हार्वर्ड (ईएमएस)। भविष्य में बच्चे बिना में के भी पैदा हो सकते है। वैज्ञानिकों ने मां और पिता में से केवल एक के जीन से ही भ्रूण को आईवीवाय लीग अमेरिकन यूनिवर्सिटीज, हार्वर्ड और ब्राउन द्वारा प्रोडयूस किए जाने पर रिसर्च किया गया। इस रिसर्च को एम्ब्रायो फारमिंग को इन-विट्रो गेमटोगेनेसीस (आईवीजी) कहा गया है।

आपको बता दें , वैज्ञानिक कई समय से बिना मां के बच्चे पैदा करने पर रिसर्च कर रहे हैं। वैज्ञानिकों ने इसके अलावा स्किन से स्पर्म और अंडे बनाने के प्रक्रिया को भी विकसित कर रहे हैं। ब्राउन यूनिवर्सिटी के मेडिसिन और बायोलॉजिकल साइंस के पूर्व डीन डॉक्टर अदाशी ने एक रिपोर्ट में चेतावनी भी दी है कि, आईवीजी तकनीक से क्रांति आ सकती है। आईवीजी तकनीक से बच्चे पैदा करने पर कितना खर्च आएगा यह भी काफी जरूरी चीज है। ऐसे लोग जिन्हें प्रजनन से जुड़ी परेशानियां आ रही है उनके लिए यह तकनीक काफी लाभदायक साबित हो सकती है। स्टडी तो यह भी कहती है कि, अगर माता-पिता में से किसी एक के जीन से बच्चे का स्वास्थ्य काफी जोखिम भरा रह सकता है।

बता दें कि, 2016 में यूनिवर्सिटी ऑफ बाथ में वैज्ञानिकों ने यह तक पता लगा लिया था कि, एक चूहे को फीमेल चूहे के बिना जन्म दिया जा सकता है। इसमें बिना किसी फर्टिलाइजेशन के भ्रूण को डेवलेप किया गया था , बता दें कि, इसमें स्पर्म डाला गया था जिसके द्वारा चूहे का जन्म बिना मां के हो गया था।जब वैज्ञानिकों ने चूहे पर ऐसा रिसर्च करने में सफल रहे तब उन्होंने ऐसा माना कि, बच्चे का जन्म भी हो सकता है।

हिजाब विवाद पर थरूर के 'पाक एजेंट' का ट्वीट रीट्वीट करने पर भारतीय दूतावास ने दिया करारा जवाब

कुवैत सिटी (ईएमएस)। कुवैत में भारतीय दूतावास ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर को एक 'पाकिस्तानी एजेंट' के 'भारत विरोधी ट्वीट' को रीट्वीट करने के लिए करारा जवाब दिया है। दूतावास ने अपनी ट्वीट में कहा इस तरह के भारत विरोधी तत्वों को प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए। भारतीय दूतावास की कड़ी प्रतिक्रिया थरूर के उस ट्वीट को रीट्वीट करने पर आई जिसमें उन्होंने दावा किया था कि कुछ 'शक्तिशाली' कुवैती सांसदों के एक समूह ने कुवैत की सरकार से भारत की सत्तारूढ़ भाजपा के किसी भी सदस्य के कुवैत में प्रवेश पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

ट्वीट में कहा गया है, 'सांसदों ने कहा कि हम चुपचाप बैठकर मुस्लिम लड़कियों पर होते अत्याचार को नहीं देख सकते हैं। ये उम्मा के एकजुट होने का समय है।' थरूर ने इसे रीट्वीट करते हुए लिखा, 'घरेलू घटनाओं के अंतरराष्ट्रीय प्रभाव होते हैं। मैंने खाड़ी के अपने दोस्तों से भारत में इस्लामोफोबिया के बढ़ने और इसकी निंदा करने के लिए प्रधानमंत्री की अनिच्छा के बारे में सुना है। हमें भारत पसंद है, लेकिन हमारे लिए अपना दोस्त बनना इतना कठिन मत बनाओ।

कुवैत स्थित भारतीय दूतावास ने शशि थरूर को करारा जवाब देते हुए लिखा यह देखकर दुख हुआ कि भारतीय संसद के एक माननीय सदस्य पाकिस्तानी एजेंट के भारत-विरोधी ट्वीट को रीट्वीट कर रहे हैं, जिसे उसकी भारत विरोधी गतिविधियों के लिए 'शांति का राजदूत' पुरस्कार मिला था। हमें इस तरह के भारत विरोधी तत्वों को प्रोत्साहित नहीं करना चाहिए।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने भी भारतीय दूतावास के ट्वीट को रीट्वीट किया है। विदेश मंत्रालय ने कर्नाटक में जारी ड्रेस कोड विवाद को लेकर कुछ देशों की आलोचना पर गुरुवार को अपना रुख दोहराया और स्पष्ट किया कि आंतरिक मामलों में बाहरियों की टिप्पणियां स्वीकार्य नहीं होंगी। बागची ने एक प्रेस कान्फ्रेंस में हिजाब विवाद से जुड़े एक सवाल पर कहा यह विदेश मंत्रालय का विषय नहीं है। हमारी कोई सीधी प्रतिक्रिया नहीं है। आपने हमारे बयानों को देखा होगा कि यह भारत का आंतरिक मामला है, इस पर किसी बाहरी व्यक्ति या किसी अन्य देश की कोई भी टिप्पणी स्वागत योग्य नह

गुजरात में हेरिटेज और बॉर्डर टूरिज्म के नवीन आयाम विकसित करना चाहते हैं मुख्यमंत्री

- भूपेन्द्र पटेल ने अपने ब्लॉग में किया इसका खुलासा

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात में पर्यटन स्थलों व यात्राधामों के विकास तथा नए पर्यटन आकर्षण विकसित करने के लिए जारी कामकाज का विवरण अपने ब्लॉग में लिखकर जनता के समक्ष प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री ने राज्य में चल रहे पर्यटन विकास के अनेक कार्यों विशेषकर कच्छ में आकार ले रहे राष्ट्रीय राजमार्ग और सीमावर्ती क्षेत्र में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की गतिविधियों की जानकारी का उल्लेख करते हुए अपने ब्लॉग में कहा कि कुछ दिनों पूर्व मुझे विश्व धरोहर स्थल (वर्ल्ड हेरिटेज साइट) की सूची में स्थान बनाने वाले और प्राचीन नगर संस्कृति की विरासत को समेटे कच्छ के धोलावीरा का दौरा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। धोलावीरा में पुरातन समय की सुनियोजित नगर रचना, बरसाती पानी के संग्रहण के लिए जल संचयन के अद्भुत आयोजन तथा एक आधुनिक मानव बस्ती के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाओं को देखकर अभिभूत हुए बिना कोई नहीं रह सकता। मैंने इस प्राचीन धरोहर के अवशेषों, पुरातत्वीय चीजों तथा पौराणिक स्मृतियों को जहां सहेजकर रखा गया है उस म्यूजियम का दौरा किया और उस संबंध में एक प्रेजेंटेशन भी देखा। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि आने वाले दिनों में धोलावीरा पर्यटकों का नया नजराना बनेगा। राज्य सरकार ने भी इस प्राचीन विरासत के मूल सत्व और तत्व को कायम रखते हुए समयानुकूल विभिन्न विकास कार्यों का आयोजन किया है। धोलावीरा की लगभग 5000 साल पुरानी इस धरोहर की विशेषताओं और संस्कृति दर्शन की अनेक संभावनाओं एवं पर्यटकों को मिलने वाली जानकारी एवं सहूलियत में बढ़ोतरी कर गुजरात को दुनिया के पर्यटन मानचित्र में अंकित करने को गुजरात सरकार कटिबद्ध है। धोलावीरा के दौरे के दौरान गढुली-सांतलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण कार्य की प्रगति का भी निरीक्षण किया। कुल 264 किमी लंबे इस राष्ट्रीय राजमार्ग नं. 754 ख की चार लिंक में गढुली, धोलावीरा, कच्छ का सफेद रण तथा खावड़ा का समावेश होता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार द्वारा लगभग 320 करोड़ रुपए की लागत से निर्माणाधीन इस राष्ट्रीय राजमार्ग के बनने से धोलावीरा से सफेद रण के बीच का अंतर लगभग 80 किलोमीटर घट जाएगा। इसके अलावा, धोलावीरा, सफेद रण, माता ना मढ, हाजी पीर दरगाह और खावड़ा भी सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग की रोड कनेक्टिविटी से जुड़ जाएंगे। राष्ट्रीय राजमार्ग के जरिए करीब 100 बॉर्डर आउटपोस्ट को भी कनेक्टिविटी का रणनीतिक लाभ मिलेगा। मित्रों, कच्छ एवं बनासकांठा के प्राकृतिक रूप से पानी की कमी वाले सीमावर्ती क्षेत्रों तक और वहां डटे सरहद के संतरी हमारे जांबाज जवानों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने का भगीरथ प्रयास गुजरात सरकार ने शुरू किया है। माननीय श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी विचार का अनुसरण करते हुए सरहदी क्षेत्रों में एनसीसी का दायरा भी बढ़ाया जा रहा है। एनसीसी की गतिविधियां सरहद की युवा शक्ति में देश प्रेम, निर्भयता और शौर्य जैसे गुण विकसित कर सीमा पर देश विरोधी गतिविधियों पर अंकुश लगाने में अहम भूमिका अदा करेगी। कच्छ के इस दौरे के दौरान मुझे सरहद की रखवाली करने वाले सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों और अधिकारियों से मुलाकात कर उनके साथ संवाद करने का अवसर भी प्राप्त हुआ। सीमा पार से घुसपैठ को रोकने तथा देश की सुरक्षा के लिए इन जवानों की कर्तव्यपरायणता दिल को छू जाती है। सभी जवानों को मेरा वंदन! आने वाले दिनों में कच्छ सहित पूरे गुजरात में पर्यटन क्षेत्र में अनेक नए स्थान, टूरिस्ट पॉइन्ट तथा सर्किट विकसित होने जा रही हैं। गुजरात में अनेक स्थान ऐतिहासिक और पर्यटन की दृष्टि से विशेष महत्व रखते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी साहेब की दूरदर्शिता का परिचायक 'रणोत्सव' की तरह गुजरात के अनेक स्थान दुनिया के पर्यटन मानचित्र में चमकने को सक्षम हैं। बनासकांठा के नडाबेट की भांति कच्छ के धोरडो में बॉर्डर टूरिज्म का भी विकास हो रहा है। मित्रों, आने वाले दिनों में आप ऐतिहासिक स्थानों, पुरातात्विक स्थलों और बॉर्डर टूरिज्म जैसे पर्यटन के नवीन आयामों को गुजरात में विकसित होते देख सकेंगे। प्राकृतिक एवं मानव सृजित सौंदर्य के अतिरिक्त विभिन्न सुविधाओं से सुसज्जित ये पर्यटन स्थल स्थानीय रंग-बिरंगी संस्कृति को करीब से देखने और समझने का अवसर लेकर आएंगे। राज्य एवं देश के पर्यटकों के अलावा दुनिया भर के पर्यटक अपने गुजरात की ओर आकर्षित होंगे। आप सभी अपने गरवी गुजरात के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थलों की यात्रा करना न भूलें। बच्चों को भी इन स्थलों और उनके इतिहास से अवश्य अवगत कराएं।

सूरत जैसी घटना का गांधीनगर में पुनरावर्तन, एकतरफा आशिक का किशोरी पर हमला

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात की राजधानी गांधीनगर में सूरत की घटना का पुनरावर्तन हुआ है गांधीनगर जिले की एक युवती पर एकतरफा आशिक ने कटर से गले पर हमला कर दिया राहत की बात है कि सर्जरी कर किशोरी की जान बचा ली फिलहाल किशोरी अस्पताल में उपचाराधीन है जानकारी के मुताबिक गांधीनगर के लींबोदरा गांव में शुक्रवार को नाबालिग लड़की स्कूल में परीक्षा देने गई थी उस वक्त लड़की के गांव में रहनेवाला संजय सेधाजी ठाकोर रास्ते में रोक लिया संजय ने लड़की से कहा कि उसके चाचा बुला रहे हैं ऐसा बताकर उसे अपनी मोटर साइकिल पर बिठा लिया लड़की को मोटर साइकिल पर बिठाकर संजय उसे अमरापुर नदी की ओर ले गया, जहां उसके साथ जबर्दस्ती करने लगा नाबालिग लड़की ने जब विरोध किया तो संजय ने कटर से उसके गले पर हमला कर दिया और वहां से फरार हो गया लिहूलुहान होने के बावजूद किशोरी ने अपने चाचा को फोन किया घटनास्थल पर पहुंचा किशोरी के चाचा ने एम्ब्युलैंस 108 को बुलाया एम्ब्युलैंस की टीम ने प्राथमिक उपचार कर गांधीनगर सिविल अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने 30 से अधिक टांके लेकर किशोरी की जान बचा ली किशोरी की चाचा की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी संजय ठाकोर को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है बता दें कि गत 14 फरवरी को सूरत के कामरेज क्षेत्र में ऐसी ही एक घटना में युवती की मौत हो गई थी जिसमें एकतरफा प्यार में पागल फेनिल नामक शख्स ने सरेआम युवती का गला रेत कर हत्या कर दी थी युवती को बचाने का प्रयास कर रहे उसके भाई और चाचा को भी घायल कर दिया था

अदालत के फैसले के बाद एक बार फिर चर्चा में आया आजमगढ़

अहमदाबाद (ईएमएस)। अहमदाबाद बम धमाकों के मामले में निचली अदालत के शुक्रवार के फैसले के बाद आजमगढ़ एक बार फिर चर्चा में है। जुलाई 2008 में अहमदाबाद में हुए बम धमाकों में 56 लोगों के मारे जाने की घटना में आजमगढ़ जिले के निवासी पांच अभियुक्तों को वहां की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को मृत्युदंड और एक को ताउम्र कैद की सजा सुनाई है। इनमें से दो संजरपुर, एक बीनापारा गांव तथा तीन अन्य स्थानों के रहने वाले हैं। इनके परिजन तथा अन्य कई स्थानीय लोग इस फैसले को उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में ध्रुवीकरण की भाजपा की कोशिश के तौर पर देखते हैं और इस निर्णय के समय पर सवाल उठा रहे हैं। बम धमाके के मामले में मौत की सजा पाए संजरपुर निवासी मोहम्मद सैफ के पिता शादाब अहमद ने शनिवार को कहा निचली अदालत पर वैसे भी हमें यकीन नहीं था। अब हम उसके फैसले को उच्च न्यायालय में जरूर चुनौती देंगे।ठ उन्होंने आरोप लगाया, ठऐसा लगता है कि विधानसभा चुनाव में भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए इस वक्त यह फैसला सुनाया गया है। अदालत ने पिछले साल तीन सितंबर को इस मामले पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, लेकिन उसे करीब पांच महीने बाद विधानसभा चुनाव के ठीक बीच में सुनाया जाना कई सवाल खड़े करता है। हालांकि सजा पाए बाकी लोगों के परिजन इस मामले पर कुछ भी बोलने से इनकार कर रहे हैं, लेकिन स्थानीय लोग अहमदाबाद बम धमाकों के मामले में निचली अदालत के फैसले के समय पर सवाल उठा रहे हैं। संजरपुर के निवासी अली अहमद ने कहा कि अदालत का फैसला ऐसे वक्त पर आया है कि इस पर सवाल खड़े होना लाजमी है। इस निर्णय के खिलाफ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाना चाहिए। इस बीच, भाजपा अहमदाबाद बम धमाकों के मामले में निचली अदालत के फैसले को लेकर सपा पर हमलावर हो गई है।

अहमदाबाद-सोमनाथ इंटरसिटी और वेरावल-इंदौर महामना एक्सप्रेस ट्रेनों में स्थायी तौर पर जोड़े जाएंगे अतिरिक्त कोच

यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा राजकोट मंडल से होकर जानी वाली दो जोड़ी ट्रेनों में स्थायी तौर पर अतिरिक्त कोच लगाने का निर्णय लिया गया है। राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम श्री अभिनव जेफ के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 19119/19120 अहमदाबाद-सोमनाथ-अहमदाबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस में 22.02.2022 से अहमदाबाद से तथा 23.02.2022 से सोमनाथ से स्थायी तौर पर दो अतिरिक्त जनरल कोच जोड़े जाएंगे। अब इस ट्रेन में कुल 13 कोच लगेंगे जिसमें 1 एसी चैर कार, 10 जनरल कोच और 2 लगेज वान शामिल हैं।

ट्रेन संख्या 19319/19320 वेरावल-इंदौर-वेरावल महामना एक्सप्रेस में 23.02.2022 से वेरावल से तथा 22.02.2022 से इंदौर से स्थायी तौर पर एक फ़र्स्ट एसी कोच और एक अतिरिक्त थर्ड एसी कोच जोड़े जाएंगे। अब इस ट्रेन में कुल 22 कोच लगेंगे जिसमें 1 फ़र्स्ट एसी, 2 सेकंड एसी, 5 थर्ड एसी, 8 सेकंड स्लीपर, 4 जनरल कोच और 2 लगेज वान शामिल हैं।

मातृ भाषा दिवस से पहले गुजरात सरकार का बड़ा फैसला, गुजराती भाषा की अनिवार्य

अहमदाबाद (ईएमएस) मातृ भाषा दिवस से ठीक एक दिन पहले गुजरात सरकार ने गुजराती भाषा को लेकर बड़ा फैसला किया है गुजरात के 8 महानगरों में सरकारी या निजी संस्थानों के साइन बोर्ड में गुजराती भाषा का उपयोग अनिवार्य कर दिया है जिसमें सरकारी विभाग, सार्वजनिक स्थलों और निजी स्थलों पर गुजराती भाषा में साइन बोर्ड लगाने होंगे सिनेमा होल, नाटयगृह, स्कूल-कॉलेज, होटल-रेस्टोरंट इत्यादि पर गुजराती भाषा में साइन बोर्ड लगाने का आदेश दिया गया है इस संदर्भ में एक अधिसूचना राज्य के खेल, युवा एवं सांस्कृतिक विभाग की ओर से जारी किया गया है और इसका अमल राज्य के 8 महानगरों में करना अनिवार्य है अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, गांधीनगर, भावनगर, राजकोट, जूनागढ़ और जामनगर समेत 8 महानगरों में सभी सरकारी कार्यालयों समेत सार्वजनिक स्थलों पर सूचना, जानकारी और दिशा-निर्देश भी गुजराती भाषा में लिखना अनिवार्य कर दिया गया है इन 8 महानगरों में स्थित ग्रंथालय, बाग-बगीचे और सरकारी कंपनी में गुजराती भाषा अनिवार्य कर दी गई है गुजरात के अलावा महाराष्ट्र और पाकिस्तान जैसे देशों में भी गुजराती भाषा बोली जाती है इसी मातृभाषा को प्राथमिकता देने और गौरव बरकरार रखने के लिए गुजरात सरकार ने यह फैसला किया है गुजरात की जनता ने राज्य सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है

राज्य की प्राथमिक स्कूलों में 10 हजार प्रवासी शिक्षकों की नियुक्ति करेगी सरकार

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात सरकार ने राज्य में कोरोना की स्थिति को देखते हुए आगामी सोमवार से सभी स्कूल-कॉलजों में संपूर्ण ऑफलाइन कक्षा शुरू करने का फैसला किया है राज्य की सरकारी और अनुदानित प्राथमिक स्कूलों में विद्यार्थियों का शिक्षा कार्य में कोई बाधा नहीं आए, इसके लिए 10 हजार जितने प्रवासी शिक्षकों की तत्काल नियुक्ति करने का सरकार ने आदेश दिया है शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी वाघाणी ने ट्वीट में कहा 'कोविड की परिस्थिति के बाद राज्य सरकार के प्रत्यक्ष शिक्षा कार्य शुरू करने निर्णय के अंतर्गत प्राथमिक स्कूलों में रिक्त पदों के कारण विद्यार्थियों का शिक्षा कार्य में रुकावट नहीं आए इसके लिए सरकारी और ग्रान्टेड प्राथमिक स्कूलों में 10000 जितने प्रवासी शिक्षकों की तत्काल नियुक्ति करने का आदेश दिया गया है गुजरात सरकार से इस फैसले से राज्य के दूरदराज की स्कूलों में शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार होगा और योग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति से उन्हें रोजगार मिलेगा राज्य सरकार ने इसके लिए रु. 10.50 करोड़ का प्रावधान भी किया है

कांग्रेस के और एक गढ़ में सेंघ

कांग्रेस के पूर्व विधायक हीरा पटेल भाजपा में शामिल होंगे

पिछले कई दिनों से हीराभाई पटेल कांग्रेस पार्टी के उत्साही कार्यकर्ता के तौर पर रहकर कामकाज कर रहे थे

अहमदाबाद, १९ फरवरी।

गुजरात विधानसभा के चुनाव पहले कांग्रेस पार्टी में सेंघ लगने का सिलसिला देखने को मिल रहा है। महीसागर जिले का कांग्रेस का गढ माना जाता लुणावाडा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है। यहां कांग्रेस के पूर्व विधायक हीरा पटेल २०० कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस को राम राम करके भाजपा में शामिल हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि महीसागर जिले के मुख्य केंद्र ऐसा लुणावाडा को कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। पिछले कई दिनों से हीराभाई पटेल कांग्रेस पार्टी के उत्साही कार्यकर्ता के तौर पर रहकर कामकाज कर रहे थे। हीराभाई पटेल २००७ से २०१२ और २०१२ से २०१७ यह दो टर्म, यानी कि १२वीं १३वीं विधानसभा में कांग्रेस पार्टी से विधायक भी रह चुके है। हीराभाई पटेल अब कांग्रेस से नाराज होकर कांग्रेस में काम करते अन्य सक्रिय कार्यकर्ताओं और पार्टी के पूर्व पदाधिकारियों सहित २०० लोग के साथ विधिवत तरीके से भाजपा में शामिल होंगे। हीरा पटेल आगामी २१.०२.२०२२ को गांधीनगर कमलम में प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल के द्वारा केसरिया खेस धारण करेंगे। भाजपा में शामिल होकर भाजपा पार्टी में निष्ठापूर्वक कामकाज करेंगे यह हीरा पटेल का कहना है। फिलहाल में कांग्रेस के नेता और प्रवक्ता जयराजसिंह परमार ने कांग्रेस से रिश्ता तोड़ लिया है। कांग्रेस से इस्तीफा देने से पहले जयराजसिंह एक सूचक ट्वीट किया कि, लुणावाडा के हीराभाई पटेल कांग्रेस को राम राम कर रहे है तब जयराजसिंह परमार का और एक सूझाव ट्वीट सामने आया है। जिसमें उन्होंने हिंदी में लिखा है कि, काल कलकत्ता वाली, तेरा वचन न जाए खाली। पावागढ़ महाकाली के चरण स्पर्श करके वाया लुणावाडा से कोबा, गांधीनगर। इसके साथ ही जयराजसिंह परमार ने अपने ट्वीट में #श्वश्वद्ध-ह्यूस्त्रद्ध२ ऐसा हेजटेग भी रखा है। फिलहाल में कांग्रेस पार्टी में अपनी लगातार उपेक्षा हो रहे होने का बताकर सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है।

मेट्रो का ग्यासपुर-जीवराज पार्क के बीच प्री-ट्रायल किया गया

अहमदाबाद, १९ फरवरी।

शहर के पश्चिम क्षेत्र में पहली बार मेट्रो ट्रेन चलाई गई है। ६ कोच की मेट्रो का प्री-ट्रायल शुक्रवार की रात को ग्यासपुर डिपो और जीवराज पार्क स्टेशन के बीच किया गया। गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के सूत्रों के बताये अनुसार, अहमदाबाद के पश्चिम क्षेत्र में यह पहला प्री-ट्रायल रन था और आगामी दिनों में ऐसे कई ट्रायल किए जाएंगे। यह अगस्त तक में अहमदाबाद शहर के फेज १ के पूरे ट्रेक पर प्री-ट्रायल रन करने का आयोजन मेट्रो पदाधिकारियों का है। इस वर्ष में भारत की आजादी के ७५ वर्ष पूरा होने को है और चुनाव भी होना है तब यह सभी काम समानांतर चलेगा। अधिकारियों के बताये अनुसार, ग्यासपुर-जीवराज पार्क तक का ट्रेक २ किलोमीटर लंबा है और बीच में दो स्टेशन आते हैं। एपीएमसी वासणा स्टेशन से ट्रेन सर्विस शुरू होता है और जीवराज पार्क स्टेशन यह रूट की दूसरा स्टेशन है। एपीएमसी वासणा से मोटेरा नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर का हिस्सा है, जो १८.८७ किलोमीटर लंबा है और १५ स्टेशन आते हैं। यह पूरी तरह से एलिवेटेड है। अधिकारियों ने आगे बताया है कि, प्री-ट्रायल के बाद लखनऊ की रिसर्च डिजाइन एंड स्टान्डर्ड्स ऑर्गेनाइजेशन भी ट्रायल करेगी। आरडीएसओ ट्रेक को सर्टिफिकेट देने के बाद सेफ्टी ट्रायल शुरू करेगी और इसके बाद फ्री रन शुरू होगा। अधिकारियों का कहना है कि, पदाधिकारी पूर्व-पश्चिम और उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर अप्रैल तक में तैयार कर देना चाहते है जिसकी वजह से उनको आरडीएसओ और अन्य एजेंसियों की तरफ से सर्टिफिकेट मिल जाए। अधिकारियों के बताये अनुसार पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर में ट्रेक और सिग्नल लगाने का काम तेजी से चल रहा है। फिलहाल वस्त्राल और एपरल पार्क के बीच मेट्रो कार्यरत है।

हिम्मतनगर पुलिस ने लाखों का मालसामान जब्त किया

भट्टी गैंग का सुत्रधार इसके ७ साथी सहित गिरफ्तार

हिम्मतनगर, १९ फरवरी।

साबरकांठा जिला सहित गुजरात के अरवल्ली, खेडा, नडियाद और आणंद सहित के जिलों में चोरी के अपराधों को अंजाम देती भट्टी गैंग के आरोपियों की साबरकांठा एलसीबी ने हिरासत में लिया है। पुलिस को जानकारी मिली थी कि, हुसेन बील्लो और जाहिर टु हो दूसरे लोगों के साथ दो गाड़ी लेकर हिम्मतनगर के परबडा नदी के तट में है और वह वहां गाड़ियों से वस्तुओं की लेन-देन कर रहा है यह गाड़ी में हिम्मतनगर शहर से चोरी किया मालसामान भी उनके साथ है। पुलिस ने नदी के तट में जांच करने पर दो संदिग्ध गाड़ी खड़ी होने का नजर आया था। जिसके बाद यह गाड़ियां पर पुलिस पहुंच गई थी। इसमें से ८ गुंडा तत्वों को हिरासत में लेकर दो कार सहित ८,८६,२९६ का मालसामान जब्त करके आगे की जांच शुरू कर दी है। आरोपी से सोना के गहने, लैपटॉप, कैमरा, एसी के आउटर सहित के कई वस्तुएं मिल गई थी। साबरकांठा की डीवायएसपी मीनाक्षी पटेल के बताये अनुसार यह भट्टी गैंग के कई जिलों में अपराधों को अंजाम देती रही है ऐसे तो यह आरोपी अलग-अलग जगहों पर जाते थे और चोरी करने के लिए उनकी लोकप्रिय जगहों को बताता था और नई गैंग के मैंबर बनाकर जब्त हुए हथियार का उपयोग करके आणंद, नडियाद, साबरकांठा, अरवल्ली जैसे जिलों में चोरी को अंजाम देते थे और चोरी करने के लिए खुद फॉर व्हीलर गाड़ियों का उपयोग करते है। जिसकी वजह से पुलिस को और सामान्य जनता को उन पर शक या आशंका नहीं हो इस तरीके से अपने काम को अंजाम दे सके। इस तरह पकड़े गये सभी आरोपी बहुत ही जनूनी और दबंग स्वभाव के हैं जिसकी वजह से पुलिस ने यह सभी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

इस हफ्ते एण्डटीवी पर देखिये धमाकेदार ड्रामा!

इस हफ्ते एण्डटीवी के सभी शोज की कहानियों में अपराध मुख्य केन्द्र में होगा, जिसमें कुछ लोगों का अपहरण होगा, जबकि कुछ लोग जेल की सलाखों के पीछे जाएंगे। एण्डटीवी के 'बाल शिव' में आगामी सती दहन की कहानी के बारे में महादेव की भूमिका निभा रहे सिद्धार्थ अरोड़ा ने कहा, "सती अपने पिता प्रजापति दक्ष (तेज सप्रू) की इच्छा के विरूद्ध महादेव (सिद्धार्थ अरोड़ा) से विवाह करती है और इसलिये प्रजापति दक्ष, अपनी सबसे लाड़ली बेटी होने के बावजूद भी सती और शिव को यज्ञ में आमंत्रित नहीं करते हैं। सती भी अपने पिता से बहुत प्यार करती है और इसलिये सामाजिक रीतियों और यज्ञ में शामिल नहीं होने के अपने पति के परामर्श को नजरअंदाज करते हुये समारोह में भाग लेने के लिये अकेले ही मायके चली जाती है। वहां जाने पर उसके पिता शिव से शादी करने पर सती का बहुत अपमान करते हैं। सती महादेव और अपना अपमान सहन नहीं कर पाती है और यज्ञ के अग्निकुंड में कूदकर आत्मदाह कर लेती है। सती के आत्मदाह कर लेने से महादेव अत्यंत क्रोधित हो जाते हैं। क्या महादेव का प्रचंड क्रोध विनाश का कारण बनेगा?"

देखिये 'बाल शिव' रात 8 बजे, 'और भई क्या चल रहा है?' रात 9:30 बजे, 'हप्पू की उलटन पलटन' रात 10 बजे और 'भाबीजी घर पर हैं' रात 10:30 बजे, हर सोमवार से शुक्रवार केवल एण्डटीवी पर!

गुजरात में कोरोना के दैनिक केसों की संख्या 500 के नीचे, 1419 डिस्चार्ज, 13 मौतें

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना के मामलों में लगातार कमी आ रही है शनिवार को राज्य में कोरोना के दैनिक मामलों की संख्या 486 दर्ज हुई जबकि 1419 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया वहीं 13 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई वहीं आज 1.60 लाख से अधिक नागरिकों को टीकाकरण किया गया गुजरात में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 5790 रह गई है जिसमें 42 वेन्टीलेटर पर हैं और 5748 लोग वेन्टीलेटर पर हैं राज्य में अब तक कुल 1203508 नागरिक कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं जबकि 10887 लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी है शनिवार को गुजरात में 13 मरीजों की मौत हुई है जिसमें वडोदरा शहर-जिले में सबसे अधिक 5 मरीजों की मौत हुई जबकि भरुच में 2, पंचमहल में 2, राजकोट शहर-जिले में 2, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन, वडोदरा, मेहसाणा में 1-1 मरीज की मौत हुई पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में सबसे अधिक 192 संक्रमित मरीज सामने आए वहीं वडोदरा कॉर्पोरेशन में 62, वडोदरा में 39, सूरत कर्पोरेशन में 21, बनासकांठा में 20, आणंद, मेहसाणा और राजकोट कॉर्पोरेशन में 12-12, सूरत में 11, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 10, देवभूमि द्वारका, पाटन और राजकोट में 8-8, गांधीनगर में 7, छोटाउदेपुर, खेडा, मोरबी में 6-6, अहमदाबाद, साबरकांठा, तापी में 5-5, अमरेली, अरवल्ली, भरुच, नवसारी में 4-4, कच्छ में 3, दाहोद, जामनगर, जामनगर कॉर्पोरेशन, वलसाड में 2-2, भावनगर कॉर्पोरेशन, गिर सोमनाथ, नर्मदा, और पंचमहल में 1-1 समेत राज्य में कुल 486 कोरोना के मामले दर्ज हुए जबकि एक महानगर और 7 जिलों में कोरोना का एक भी मरीज नहीं मिला शनिवार को राज्य में 160094 नागरिकों को वैक्सीनेशन किया गया जिसमें 20 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 24 को दूसरा डोज दिया गया 45 वर्ष से अधिक आयु के 2187 को कोरोना का पहला और 12420 को दूसरा टीका लगाया गया 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के 11076 को पहला और 49307 को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया 15 से 18 वर्षीय 13591 किशोरों को पहली और 52835 को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई जबकि 18634 नागरिकों को प्रॉकोशन डोज दिया गया राज्य में अब तक 102084403 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है

अहमदाबाद धमाका अभी नहीं दी जाएगी फांसी की सजा पुष्टि के लिए हाईकोर्ट जाएगा मामला

अहमदाबाद (ईएमएस)। अहमदाबाद विस्फोट में मिली 38 दोषियों को फांसी की सजा सत्र अदालत से हुई है। सजा की पुष्टि के लिए यह मामला हाईकोर्ट भेजा जाएगा। सीआरपीसी की धारा 366 के तहत हाईकोर्ट से सजा की पुष्टि होने के बाद ही मृत्युदंड पर अमल हो सकेगा। इस दौरान अभियुक्त सीआरपीसी की धारा 374(2) के तहत अपील भी कर सकते हैं। सजा की पुष्टि और अपील पर सुनवाई एक साथ चलती है। सजा की पुष्टि होने के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट में अपील में जाएगा। सुप्रीम कोर्ट से विफल होने के बाद दोषी भारत के संविधान के अनुच्छेद 72 के तहत देश के राष्ट्रपति से माफी की अपील कर सकते हैं।

नाबालिग लड़की को युवक पंजाब भगा ले गया, दुष्कर्म के बाद छोड़कर हुआ फरार

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के आनंदनगर क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की अपने प्रेमजाल फांस कर युवक उसे पंजाब भगा ले गया जहां उसके साथ दुष्कर्म किया और बाद में अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर छोड़कर फरार हो गया आनंदनगर पुलिस ने अपहरण और पोक्सो के तहत केस दर्ज कर आरोपी युवक की तलाश शुरू की है जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के आनंदनगर क्षेत्र में रहनेवाली 11 वर्षीय किशोरी कुछ दिन पहले स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी लड़की पिता किसी सामाजिक प्रसंग में शामिल होने अपने गांव गए थे आमतौर पर किशोरी दोपहर 12.30 बजे तक स्कूल से घर लौट आती थी उस दिन उसके घर नहीं लौटने पर परिवार के अन्य सदस्यों ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी परंतु उसका कहीं पता नहीं चला गांव से लौटे पिता को जब बेटी के लापता होने का पता चला तो वह स्कूल पहुंच गए जहां पता चला कि उनकी बेटी स्कूल गई ही नहीं थी बाद में पिता ने आनंदनगर पुलिस थाने में बेटी के लापता होने की शिकायत दर्ज करवा दी जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी और उसमें पता चला कि किशोरी अपने 18 वर्षीय प्रेमी के साथ पंजाब के लुधियाणा गई है पुलिस किशोरी को लेने लुधियाना पहुंची और इधर युवक अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर किशोरी को छोड़कर फरार हो गया किशोरी से पूछताछ में पता चला कि युवक उसे अपने प्रेमजाल फांसकर पंजाब ले गया था, जहां उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए इस खुलासे के बाद पुलिस ने अपहरण और पोक्सो के तहत युवक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की है

अहमदाबाद सीरियल बम ब्लास्ट के साजिशकर्ताओं ने रची थी मोदी की हत्या की साजिश

अहमदाबाद (ईएमएस)। अहमदाबाद में 2008 में हुए सिलसिलेवार बम विस्फोटों के षडयंत्रकारियों ने अशांति पैदा करने के अलावा गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी की हत्या की साजिश भी रची थी। अभियोजन ने शुक्रवार को यह बात कही। अभियोजन के अनुसार, एक विशेष अदालत द्वारा मामले में दोषी ठहराये गये आरोपियों में से एक ने सीआरपीसी की धारा 164 के तहत मजिस्ट्रेट को दिये अपने बयान में यह स्वीकार किया था कि उन्होंने (दोषियों ने) मोदी की हत्या की भी साजिश रची थी। विशेष अदालत ने मामले में शुक्रवार को 38 दोषियों को मौत की सजा और 11 अन्य को उम्र कैद की सजा सुनाई। 26 जुलाई 2008 को हुए सिलसिलेवार विस्फोटों की इस घटना में 56 लोगों की मौत हो गई थी और 200 से अधिक लोग घायल हो गये थे। अदालत के सजा सुनाने के बाद सरकारी वकील सुधीर ब्रह्मभट्ट ने मीडिया को बताया कि 2010 में गुजरात पुलिस द्वारा दाखिल आरोप पत्र से यह खुलासा हुआ था कि दोषियों ने मोदी की हत्या की साजिश भी रची थी, जो अब प्रधानमंत्री हैं। अधिक पन्नों के फैसले में कोर्ट ने इस मामले को जघन्य वारदात करार दिया। 26 जुलाई 2008 को अहमदाबाद में हुए 21 सीरियल ब्लास्ट ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। इन धमाकों की गूंज से हर कोई स्तब्ध था। ऐसे में बताते हैं कि कोर्ट ने अपने फैसले में क्या-क्या टिप्पणी की।

विदेशों में एक्सपोर्ट होने वाले केला व अनार भी बनेंगे डायमंड सिटी की पहचान

डायमंड-टेक्सटाइल के निर्यात में दुनिया में अलग पहचान बना चुका सूरत अब कृषि उपज में अपनी पहचान बनाने के लिए तेजी से अग्रसर

सूरत, १९ फरवरी।

डायमंड और टेक्सटाइल के निर्यात में दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुका सूरत अब कृषि उपज में ऊी अपनी पहचान बनाने के लिए तेजी से अग्रसर है। सूरत जिले के किसानों को विदेशों में एक्सपोर्ट करने के लायक केले और अनार की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। देश के हर जिले में एक कृषि उपज को निर्यात कर किसान आय कमा सकें उस उद्देश्य से दक्षिण गुजरात में भी तमाम जिलों में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना के तहत कुछ कृषि उपज चिन्हित किए गए हैं। इन फसलों के उत्पादक किसानों को केंद्र सरकार द्वारा अलग-अलग माध्यम से इसे विदेशों में एक्सपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। फिलहाल दक्षिण गुजरात में ५० से अधिक किसान दुनिया के विभिन्न देशों में केला, अनार, भिंडी, आम आदि का निर्यात कर रहे हैं। हालांकि कई किसानों को विदेश में रुपए फंसने का डर है, जिसके कारण वे एक्सपोर्ट करने से कतराते हैं। केंद्र सरकार इसके लिए किसानों की मदद कर रही है। इसके लिए राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों सहभागिता के साथ काम कर रहे हैं। सूरत में केले की और अनार की खेती बड़े पैमाने पर होती है। अब सरकार यहां के किसानों को विदेशों में एक्सपोर्ट होने वाली फसलों की जानकारी देकर उन्हें प्रोत्साहित कर रही है।

दक्षिण गुजरात के किसानों में धीरे -धीरे जागरूकता आ रही है और वे अपनी फसल के एक्सपोर्ट की कोशिश भी कर रहे हैं। सेमिनार आदि के माध्यम से उन्हें एक्सपोर्ट करने वाले फल और सब्जियों को सही तरीके से उगाने की जानकारी दी जा रही है लेकिन कई किसानों को विदेश में एक्सपोर्ट के बाद रुपए फंसने का डर है। इसलिए वे आगे आने से कतरा रहे हैं। एक्सपोर्ट को बढ़ाने के लिए हर तहसील में एक डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल बनाया गया है।

पारडी के निकट हिट एन्ड रन की घटना में बाइक सवार तीन युवकों की मौत

वलसाड (ईएमएस) पारडी के निकट अहमदाबाद-मु